आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 327 | उज्जैन, शुक्रवार 17 अक्टूबर 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की नीतियों से मध्यप्रदेश बना खनन क्षेत्र सुधारों में अग्रणी राज्य

खान मंत्रालय ने राज्य खनन तत्परता सूचकांक और राज्य रैंकिंग की जारी

भोपाल। मध्यप्रदेश ने एक बार फिर खनन क्षेत्र में अपनी नेतृत्व क्षमता को सिद्ध करते हुए देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया। केन्द्रीय खान मंत्रालय द्वारा गुरुवार को राज्य खनन तत्परता सूचकांक और राज्य रैंकिंग जारी की गई है। यह उपलब्धि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के दूरदर्शी नेतृत्व और खनन क्षेत्र को उत्तरदायी एवं औद्योगिक विकास का केन्द्र बनाने की उनकी प्राथमिकता का परिणाम है। राज्य सरकार द्वारा खनन क्षेत्र में किये गये सुधार, आधुनिकीकरण और सतत विकास के प्रयासों की बड़ी सफलता को दर्शाती है।

एसएमआरआई के अंतर्गत राज्यों को उनके खनिज भण्डार के आधार पर तीन श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है। श्रेणी-ए में शीर्ष तीन स्थान प्राप्त करने वाले राज्यों में मध्यप्रदेश, राजस्थान और गुजरात शामिल हैं। श्रेणी-बी में गोवा, उत्तर प्रदेश और असम शीर्ष तीन स्थान पर है और श्रेणी-सी में पंजाब, उत्तराखण्ड और त्रिपुरा शीर्ष तीन स्थान पर है।

उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश खनिज नीलामी के क्षेत्र में देश में अग्रणी राज्य बनकर उभरा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में राज्य ने बड़े पैमाने पर खनिज ब्लॉकों की नीलामी कर देश में पहला स्थान प्राप्त किया था। हाल ही में क्रिटिकल मिनरल्स की नीलामी में केंद्र सरकार की नीति को लागू करने में मध्यप्रदेश ने देश का पहला राज्य बनने का गौरव भी हासिल किया है। खनिज ब्लॉकों की सर्वाधिक नीलामी के लिए मध्यप्रदेश को भारत सरकार ने सम्मानित भी किया है।

मध्यप्रदेश खनन और खनिज संसाधनों के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण केन्द्र के रूप में उभरा है। खनिजों की प्रचुरता और राज्य सरकार की निवेश अनुकूल नीतियों के कारण मध्यप्रदेश देश की औद्योगिक प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। खनन क्षेत्र में प्रदेश की उपलब्धियों से राज्य की अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है।

केन्द्रीय खान मंत्रालय द्वारा खनन क्षेत्र में राज्य स्तर पर सुधारों को प्रोत्साहित करने के लिये राज्य खनन तत्परता सूचकांक और राज्य रैंकिंग जारी की गई है। सूचकांक जारी करने की घोषणा केन्द्रीय बजट 2025-26 में की गई थी।

सीजेआई पर जूता उछालने वाले वकील की बढ़ेंगी मुश्किलें, अवमानना का मुकदमा चलाने की AG से मिली मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के सीजेआई जस्टिस बीआर गवई पर जूता उछालने वाले वकील राकेश किशोर की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। इस घटना को अंजाम देने वाले वकील पर न्यायालय की अवमानना करने का मुकदमा चलाने का रास्ता साफ हो गया है।

दरअसल, अटॉर्नी जनरल ने वकील राकेश किशोर के खिलाफ न्यायालय की अवमानना की कार्रवाई शुरू करने को मंजूरी दे दी है। बता दें कि 6 अक्तूबर को वकील राकेश किशोर ने कोर्ट की कार्यवाही के दौरान सीजेआई पर जूता उछालने की कोशिश की थी। इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट दीवापली की छुट्टी के बाद सुनवाई करेगा।

जूता उछालने वाले वकील पर अवमानना का मुकदमा चलाने की तैयारी

जस्टिस सूर्यकांत और जॉयमाल्या बागची की बेंच से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के चीफ और सीनियर वकील विकास सिंह ने अनुरोध किया कि वकील राकेश किशोर के खिलाफ कंटेम्प्ट केस की सुनवाई की जाए। इस दौरान कहा गया कि 6 अक्तूबर को हुई इस घटना ने सभी को परेशान कर दिया था। इसके बाद सोशल मीडिया पर तमाम बातें वायरल होने लगीं।

संयुक्त राष्ट्र आज भी 1945 में जी रहा... जयशंकर ने की UN में तत्काल सुधार की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने गुरुवार को संयुक्त राष्ट्र (यूएन) में तत्काल सुधार की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यूएन 2025 की नहीं बल्कि 1945 की दुनिया की वास्तविकताओं को दर्शाता है। इस वैश्विक निकाय में सुधार की आवश्यकता अब अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है।

विदेश मंत्री ने यह भी कहा कि सुधार की प्रक्रिया का उपयोग एजेंडे को पटरी से उतारने के लिए किया जा रहा है, जिससे ऐतिहासिक अन्याय जारी है। उन्होंने आगाह किया कि जो संस्थान बदलती वास्तविकताओं के अनुकूल नहीं हो पाते वे अप्रासंगिक हो जाते हैं।

भारत की शांति स्थापना का दृष्टिकोण वसुधैव कुटुंबकम पर आधारित- जयशंकर

जयशंकर ने नई दिल्ली में संयुक्त राष्ट्र सैन्य योगदान देशों के प्रमुखों के सम्मेलन (यूएनटीसीसी 2025) को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भारत की शांति स्थापना का दृष्टिकोण उसकी सभ्यता के मूल्यों में निहित है और वसुधैव कुटुंबकम के सिद्धांत पर आधारित है।

आजादी के बाद से हथियारों के लिए दूसरे देशों पर निर्भर थे, अब बन रहे आत्मनिर्भर, पुणे में बोले राजनाथ सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को ऑपरेशन सिंदूर को भारत के रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। इस अभियान के दौरान सशस्त्र बलों की ओर से उपयोग किए गए ज्यादातर उपकरण स्वदेशी थे।

भारत ने उस बाधा को तोड़ दिया है, जो आजादी के बाद से बनी हुई थी। सरकार ने देश में हथियारों के निर्माण को मजबूत प्रोत्साहन दिया है।

रक्षा मंत्री पुणे में सिम्बायोसिस स्किल्स एंड प्रोफेशनल्स यूनिवर्सिटी के दीक्षा समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, हमने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में काम करना शुरू कर दिया है। शुरुआती दौर में यह मुश्किल था, क्योंकि हम पूरी व्यवस्था को बदलने की कोशिश कर हरे थे। आजादी के बाद से हम हथियारों के लिए दूसरे देशों पर निर्भर थे। हमारे लिए विदेश से रक्षा उपकरण खरीदना एक जरूरत बन गई थी और स्वदेशी उत्पादन लगभग न के बराबर था। भारत ने अब उस बाधा को तोड़ दिया है, जो आजादी के बाद से बनी हुई थी।

राजनाथ ने कहा, हमने देश में ही हथियारों के निर्माण को जोरदार तरीके से बढ़ावा दिया है। यह बिल्कुल भी आसान नहीं था, क्योंकि देश रक्षा खरीद के मामले में एक सुविधाजनक स्थिति में पहुंच गया था। हम दूसरे देशों से हथियार खरीदने के आदी हो गए थे।

उन्होंने बताया कि पिछले 10 वर्षों में रक्षा उत्पादन 46 हजार करोड़ रुपये से बढ़कर 1.5 लाख करोड़ रुपये हो गया है।

50% वाली लिमिट याद रखिए..., OBC कोटे को लेकर सुप्रीम कोर्ट से सरकार को झटका; याचिका खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेलंगाना की रेवंत रेड्डी सरकार को सुप्रीम कोर्ट से झटका लगा है। सर्वोच्च न्यायालय ने तेलंगाना सरकार की उस अर्जी को खारिज कर दिया जिसमें अन्य पिछड़ा वर्ग, या OBC, समुदायों के लिए बढ़े हुए रिज़र्वेशन पर हाई कोर्ट के अंतरिम स्टे को चुनौती दी गई थी।

दरअसल, तेलंगाना की रेवंत रेड्डी सरकार ने राज्य में ओबीसी के लिए आरक्षण सीमा को बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया था। रेवंत रेड्डी की सरकार के इस फैसले को इससे पहले तेलंगाना हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी। हालांकि, उच्च न्यायालय ने सरकार के इस फैसले पर अंतरिम रोक लगा दी थी।

इसके बाद राज्य सरकार ने उच्च न्यायालय के फैसले को शीर्ष न्यायालय में चुनौती दी गई थी। लेकिन यहां से भी राज्य की रेड्डी सरकार को झटका लगा है। हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगाने से इनकार करने के साथ शीर्ष न्यायालय ने तेलंगाना सरकार की याचिका को खारिज कर दिया।

क्या है पूरा मामला- बता दें कि तेलंगाना की रेवंत रेड्डी सरकार ने हाल में ही ओबीसी को मिलने वाले आरक्षण की सीमा को बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया था। विधानसभा में इसको लेकर एक प्रस्ताव भी लाया गया था। इसको विधानसभा से पारित कर दिया गया। हालांकि, कांग्रेस सरकार के इस कदम के खिलाफ उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर की गई और आरक्षण सीमा को बढ़ाने को चुनौती दी गई।

इस मामले में जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने राज्य सरकार की अर्जी को खारिज कर दिया।

तेलंगाना की मंत्री कोंडा सुरेखा के घर आधी रात क्यों हुआ हाई वोल्टेज ड्रामा?

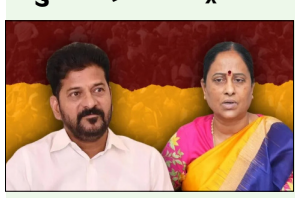

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेलंगाना सरकार में वन, पर्यावरण और संपत्ति मंत्री कोंडा सुरेखा के घर बुधवार देर रहा भारी हंगामा देखने को मिला। पुलिस राज्य सरकार में मंत्री कोंडा सुरेखा के घर उनके पूर्व अधिकारी ऑन स्पेशल ड्यूटी (ओएसडी) एन. सुमंथ को गिरफ्तार करने के लिए पहुंची थी। इस दौरान पुलिस और कोंडा सुरेखा सुरेखा की बेटी कोंडा सुस्मिता के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। दरअसल, तेलंगाना सरकार में मंत्री कोंडा सुरेखा के पूर्व एएसडी पर व्यापक पैमाने पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं।

क्या सच में रूस से तेल खरीदना बंद करेगा भारत? ट्रंप के दावे पर भारत ने दिया ये जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में जब से डोनल्डट्रंप ने राष्ट्रपति का पद संभाला है। भारत के साथ रिश्तों में खटास आई है। भारत को लेकर वे लगातार ऐसे बयान देते रहे हैं जिससे पीएम मोदी असहज हुए हैं। इस कड़ी में गुरुवार को ट्रंप ने दावा किया कि पीएम मोदी ने उनसे वादा किया है कि वो अब रूस से तेल नहीं खरीदेंगे।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्डट्रंप के इस दावे के जवाब में भारत ने जवाब दिया है। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि अस्थिर ऊर्जा परिदृश्य में भारतीय उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करना भारत की निरंतर प्राथमिकता है।

विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक बयान में कहा, भारत तेल और गैस का एक महत्वपूर्ण आयातक देश है। अस्थिर ऊर्जा परिदृश्य में भारतीय उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करना हमारी पहली प्राथमिकता है। हमारी आयात नीतियां पूरी तरह इसी उद्देश्य से निर्देशित हैं।

बयान में आगे कहा गया है, स्थिर ऊर्जा मूल्य और सुरक्षित आपूर्ति सुनिश्चित करना हमारी ऊर्जा नीति के दोहरे लक्ष्य रहे हैं। इसमें हमारीऊर्जास्रोतोंका व्यापक आधार और बाज़ार की स्थितियों के अनुरूप विविधीकरण शामिल है।

जहां तक अमेरिका से संबंध की बात है, हम कई सालों से अपनी ऊर्जा खरीद का विस्तार करने का प्रयास कर रहे हैं। पिछले दशक में इसमें लगातार तेजी आई है। अमेरिकी सरकार ने भारत के साथ ऊर्जा सहयोग को गहरा करने में रुचि दिखाई है। इस पर चर्चा जारी है।

यह बयान अमेरिकी राष्ट्रपति के उस दावे के बाद आया है जिसमें उन्होंने दावा किया था कि प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें आश्वासन दिया है कि भारत रूस से तेल खरीदना बंद कर देगा। उन्होंने कहा, उन्होंने मुझे आश्वासन दिया है कि रूस से तेल नहीं खरीदा जाएगा। वह इसे तुरंत नहीं कर सकते। यह एक छोटी सी प्रक्रिया है, लेकिन यह प्रक्रिया जल्दही पूरी हो जाएगी।

मुनीर के सेना की इज्जत तार-तार, अफगान की सड़कों पर दौड़े पाक के टैंक; देखने जुटी भीड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान और अफगानिस्तान 48 घंटे के सीजफायर के लिए राजी हो गए हैं। इस संघर्ष विराम के तहत अगले 48 घंटों तक दोनों देश एक दूसरे पर कोई हमला नहीं करेंगे। इस बीच सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है।

दावा किया गया है कि ये वीडियो दोनों देशों के बीच संघर्ष विराम के लिए राजी होने से कुछ देर पहले का है। सामने आए वीडियो में देखा जा सकता है कि अफगानिस्तान के स्पिन बोल्डक प्रांत की सड़कों पर टैंक दौड़ रहे हैं। दावा किया गया है कि ये टैंक अफगानी सेना ने पाक की सेना से छीन लिया।

सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल- दरअसल, सोशल मीडिया पर वायरल हुए इस वीडियो को लेकर दावा किया गया है कि अफगानिस्तान में तालिबान की सेना ने बुधवार को बॉर्डर पर टकराव के दौरान पाकिस्तानी सेना से ये टैंक छीन लिए थे।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने यह भी दावा किया अफगानिस्तान की सेना ने सीमा इलाकों में पाकिस्तान की ओर से हुई फायरिंग का जवाब दिया। इसमें बड़ी संख्या में पाकिस्तानी सैनिक मारे गए। इसके बाद अफगानिस्तान के सेना ने पाकिस्तानी हथियार और टैंक जब्त कर लिए। वहीं, पाकिस्तानी मिलिट्री ठिकानों को तबाह कर दिया गया है।

पाकिस्तान ने किया इन दावों का खंडन- हालांकि, पाकिस्तान की ओर से अफगानिस्तान की ओर से किए गए दावे का खंडन किया गया है। पाकिस्तान ने तालिबान के दावे को नकारते हुए कहा है कि वीडियो में दिख रहे टैंकों का मॉडल उसकी इन्वेंट्री का हिस्सा नहीं था।

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने एक समाचार चैनल से बातचीत करते हुए कहा कि ये वीडियो दिखा रहे हैं, जिसमें दावा किया जा रहा है कि उन्होंने एक पाकिस्तानी टैंक पर कब्जा कर लिया है; हमारे पास वे टैंक नहीं हैं। शायद उन्होंने इसे किसी कबाड़ वाले से खरीदा है। हालांकि, वायरल हो रहे वीडियो और इसमें किए गए दावे की सत्यता की पुष्टि दैनिक जागरण नहीं करता है। खबर केवल सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो के आधार पर लिखी गई है।

फंडिंग में कटौती से भुखमरी की कगार पर पहुंच सकते हैं करोड़ों लोग, ह ने दी चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र की खाद्य सहायता एजेंसी ने बुधवार को कहा कि शीर्ष दानदाताओं द्वारा वित्तीय योगदान में की गई कटौती से छह देशों में उसकी गतिविधियां बुरी तरह प्रभावित हो रही हैं। एजेंसी ने चेतावनी दी कि इससे करीब 1.4 करोड़ लोग भुखमरी की कगार पर पहुंच सकते हैं।

पारंपरिक रूप से संयुक्त राष्ट्र की सबसे अधिक वित्तीय योगदान हासिल करने वाली एजेंसी रही विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) ने अपनी नई रिपोर्ट में कहा कि इस वर्ष उसका वित्तीय योगदान अब तक की सबसे बड़ी चुनौती का सामना कर रहा है। इसका मुख्य कारण अमेरिका (डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के तहत) तथा अन्य प्रमुख पश्चिमी देशों द्वारा अनुदान में की गई भारी कटौती है।

वित्तीय कटौती की वजह प्रभावित हो रहे ये देश- एजेंसी ने चेतावनी दी कि उसकी खाद्य सहायता प्राप्त करने वाले 1.37 करोड़ लोगों को अब आपात स्तर की भुखमरी का सामना करना पड़ सकता है। जो देश इस वित्तीय कटौती की वजह से सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं, वे हैं- अफगानिस्तान, कांगो, हैती, सोमालिया, दक्षिण सूडान और सूडान। एजेंसी की कार्यकारी निदेशक सिंडी मैक्केन ने कहा, हम लाखों लोगों की जीवनरेखा को अपनी आंखों के सामने टूटते हुए देख रहे हैं।

1.5 अरब डॉलर मिलने की उम्मीद- डब्ल्यूएफपी ने बताया कि इस वर्ष उसे 40 प्रतिशत कम वित्तीय योगदान मिलने की आशंका है जिससे उसका अनुमानित बजट 10 अरब डालर से घटकर 6.4 अरब डालर रह जाएगा। उसे इस वर्ष अमेरिका से लगभग 1.5 अरब डॉलर मिलने की उम्मीद है। जो पिछले वर्ष के लगभग 4.5 अरब डॉलर से काफी कम है। अन्य शीर्ष दानदाताओं ने भी योगदान में कटौती की है।

मैक्केन ने कहा, यह सिर्फ धन की कमी नहीं है। यह एक वास्तविक अंतर है कि हमें क्या करना चाहिए और हम क्या कर सकते हैं। हम भुखमरी के विरुद्ध लड़ाई में दशकों की प्रगति खो सकते हैं।

गाजा और सूडान में अकाल पड़ गया- रोम स्थित एजेंसी का कहना है कि वैश्विक भुखमरी पहले ही रिकार्ड स्तर पर पहुंच चुकी है, जहां 31.9 करोड़ लोग गंभीर खाद्य असुरक्षा का सामना कर रहे हैं। गाजा और सूडान में अकाल पड़ गया है। अफगानिस्तान में सहायता खाद्य स्तर पर असुरक्षित 10 प्रतिशत से भी कम लोगों तक पहुंच रही है।

नोबेल की चाह में भारत से बिगाड़े रिश्ते, पाक से बेटे को पैसे दिलवाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के शीर्ष डेमोक्रेटिक नेता और पूर्व राजदूत रहम इमैनुएल ने राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप पर सनसनीखेज आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि ट्रंप ने नोबेल शांति पुरस्कार की लालसा में भारत के साथ 40 साल की रणनीतिक साझेदारी को ताक पर रख दिया। इतना ही नहीं, इमैनुएल ने ट्रंप की पाकिस्तान से नजदीकी पर भी सवाल उठाए, दावा किया कि ट्रंप के बेटे को इस्लामाबाद से पैसा मिल रहा है। यह बयान भारत-अमेरिका संबंधों में तनाव और ट्रम्प की नीतियों पर सवाल उठाता है। इमैनुएल ने कहा कि ट्रम्प ने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम के लिए दबाव डाला और इसे अपनी उपलब्धि बताकर नोबेल पुरस्कार की मांग की। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर को पाकिस्तानी सेना की गुजारिश पर रोका। लेकिन ट्रंप ने कम से कम 50 बार दावा किया कि उन्होंने 200% टैरिफ की धमकी देकर दोनों देशों को झुकाया। इमैनुएल, जो बराक ओबामा के प्रशासन में व्हाइट हाउस चीफ ऑफ स्टाफ रह चुके हैं, ने एक साक्षात्कार में कहा कि भारत अमेरिका के लिए चीन के खिलाफ विनिर्माण, प्रौद्योगिकी और सैन्य क्षेत्र में एक मजबूत साझेदार हो सकता था। लेकिन ट्रम्प ने अपने अहंकार और नोबेल की चाहत में यह मौका गंवा दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि ट्रम्प ने भारत पर 50% टैरिफ थोपकर और पाकिस्तान के साथ नजदीकी बनाकर 40 साल की मेहनत को बर्बाद कर दिया।

नेपाल में महसूस हुए भूकंप के झटके, दहशत के बाद घरों से निकले लोग

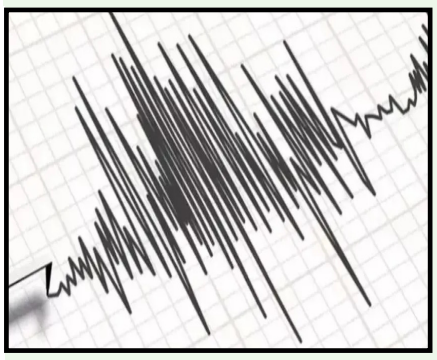

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुरुवार को नेपाल के कई हिस्सों में भूकंप के झटके महसूस किए गए। पश्चिमी नेपाल के सुदूरपश्चिम प्रांत में 4.9 मैग्नीट्यूड का भूकंप आया। भूकंप से हुए किसी नुकसान की तुरंत कोई रिपोर्ट नहीं मिली है।

बता दें कि नेशनल अर्थक्वेक मॉनिटरिंग सेंटर के अनुसार, भूकंप सुबह 1.08 बजे के करीब महसूस किया गया। इस भूकंप का केंद्र बजहांग जिले के दंतोला इलाके में था।

बता दें कि बझंग जिला काठमांडू से लगभग 475 द्यद्व पश्चिम में है। बताया जा रहा है कि पड़ोसी जिलों बाजुरा, बैतडी और दारचुला में भी झटके महसूस किए गए। झटके से हुए किसी नुकसान की तुरंत कोई रिपोर्ट नहीं मिली है।

गौरतलब है कि नेपाल सबसे एक्टिव टेक्टोनिक जोन में से एक है, जो इसे भूकंप के लिए बहुत ज्यादा सेंसिटिव बनाता है। यहां हर साल कई भूकंप आते हैं।

हमलों के पीछे भारत का हाथ, अफगानिस्तान की सेना से पिटने पर पाक रक्षा मंत्री ने रोया दुखड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने अफगानिस्तान पर भारत के लिए प्रॉक्सी वॉर लड़ने का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा है कि भारत तालिबान के जरिए पाकिस्तान को टारगेट कर रहा है। जियो न्यूज को दिए एक टीवी इंटरव्यू में ख्वाजा आसिफ ने कहा, इस वक्त काबुल दिल्ली के लिए प्रॉक्सी वॉर लड़ रहा है। उन्होंने हाल ही में घोषित 48 घंटे के अस्थायी सीजफायर पर भी संदेह जताया और चेतावनी दी कि अगर उकसावा हुआ तो पाकिस्तान सैन्य जवाब देने को तैयार है।

पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने बुधवार को घोषणा की कि दोनों पक्षों की सहमति से अगले 48 घंटों के लिए अस्थायी युद्धविराम लागू किया गया है। यह फैसला सीमा पर हाल के दिनों में हुई तीव्र गोलीबारी के बाद लिया गया। युद्धविराम बुधवार को 1ः00 बजे से प्रभावी हुआ।

तालिबान को दिल्ली प्रायोजित कर रहा- ख्वाजा आसिफ ने युद्धविराम के टिकने पर संदेह जताते हुए कहा, मुझे शक है कि यह युद्धविराम कायम रहेगा, क्योंकि तालिबान को दिल्ली प्रायोजित कर रहा है।

उन्होंने चेतावनी दी कि अगर अफगानिस्तान ने तनाव बढ़ाया या युद्ध का दायरा बड़ा किया, तो पाकिस्तान सैन्य कार्रवाई के लिए तैयार है। हालांकि, उन्होंने रचनात्मक बातचीत की संभावना को भी खुला रखा है।

US टैरिफ के बीच रूस ने की भारत के साथ बड़ी डील, हर साल 3-5 लाख मीट्रिक टन केला खरीदने का एलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस के पादप (फाइटोसैनिटरी) स्वच्छता निगरानी संस्था ने कहा है कि रूसी बाजार में भारत केले की आपूर्ति बढ़ा सकता है। रूस में विदेश से कृषि उत्पादों के आयात को मंजूरी देने वाली इस संस्था ने कहा है कि रूस, भारत से पांच लाख मीट्रिक टन तक केले का आयात कर सकता है। संस्था ने कहा कि रूस प्रति वर्ष तीन से पांच लाख मीट्रिक टन भारतीय केले स्वीकार करने को तैयार है।

संस्था के प्रमुख सर्गेई डंकवर्ट ने इस संबंध में भारतीय मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत की है। दोनों पक्षों ने भारत से रूस को झींगा और मछली उत्पादों सहित कृषि उत्पादों की पारस्परिक आपूर्ति बढ़ाने के अवसरों के साथ-साथ देश के बाजार में अन्य भारतीय फलों और सब्जियों की आपूर्ति बढ़ाने पर भी चर्चा की। भारत दुनिया का सबसे बड़ा केला उत्पादक देश है, जिसका वार्षिक उत्पादन 3.3 करोड़ टन है।

गौरतलब है कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पूर्व में घोषणा की थी कि दिसंबर के पहले सप्ताह में अपनी नई दिल्ली यात्रा से पहले उन्होंने सरकार को भारत के साथ व्यापार असंतुलन कम करने के लिए कदम उठाने का आदेश दिया है।

ड्रग्स तस्करों पर नकेल या मादुरो को सत्ता से हटाने का प्लान? वेनेजुएला में CIA के सीक्रेट ऑपरेशन को ट्रंप की मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने बुधवार को एक चौंकाने वाला खुलासा किया कि उन्होंने वेनेजुएला में गुप्त सीआईए ऑपरेशनों को मंजूरी दी है। यह कदम वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की सरकार पर दबाव बढ़ाने की अमेरिकी रणनीति की ओर इशारा करता है।

न्यूयॉर्क टाइम्स ने सबसे पहले इस गुप्त निर्देश की खबर दी थी। ट्रंप ने कहा कि यह कार्रवाई इसलिए जरूरी थी क्योंकि वेनेजुएला से बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थ समुद्री रास्तों के जरिए अमेरिका में प्रवेश कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि समुद्री मार्गों पर अब अच्छा नियंत्रण स्थापित हो चुका है और अब अमेरिका जमीन पर ध्यान दे रहा है।

वेनेजुएला पर दबाव बढ़ रहा है- जब ट्रंप से पूछा गया कि उन्होंने संदिग्ध ड्रग तस्करी की नावों को रोकने के लिए कोस्ट गार्ड का इस्तेमाल क्यों नहीं किया तो उन्होंने इसे राजनीतिक रूप से सही बताकर खारिज कर दिया। ट्रंप का कहना था कि इस तरह के प्रयास नाकाम रहे हैं। गौरतलब है कि समुद्र घुसपैठ के लिए अमेरिका में पारंपरिक तौर पर कोस्ट गार्ड का ही इस्तेमाल किया जाता है। ट्रंप ने जोर देकर कहा कि वेनेजुएला पर दबाव बढ़ रहा है।

ट्रंप ने यह भी आरोप लगाया कि वेनेजुएला ने बड़ी संख्या में कैदियों और मानसिक स्वास्थ्य संस्थानों के लोगों को अमेरिका में प्रवेश करने की इजाजत दी है। हालांकि, उन्होंने यह साफ नहीं किया कि ये लोग किस सीमा से अमेरिका में दाखिल हो रहे हैं।

गुजरात में सीएम को छोड़कर सभी मंत्रियों ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात में मंत्रिमंडल में बड़े फेरबदल के संकेत मिल रहे हैं। आज भूपेंद्र पटेल मुंबई से गांधीनगर पहुंच गए हैं। फिलहाल उपलब्ध जानकारी के अनुसार, पटेल सरकार के सभी मंत्रियों ने इस्तीफा दे दिया है। मुख्यमंत्री शाम तक राज्यपाल को नए मंत्रिमंडल की सूची सौंपेंगे। कल सुबह 11:30 बजे राज्यपाल आचार्य देवव्रत महात्मा मंदिर में सभी मंत्रियों को शपथ दिलाएंगे।

गुजरात में मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर बड़े नेताओं के बीच बैठकों का दौर शुरू हो गया है। भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महासचिव सुनील बंसल गांधीनगर पहुंच गए हैं। गांधीनगर में प्रदेश महासचिव रत्नाकर और राष्ट्रीय संगठन महासचिव के बीच बैठक हुई। नए मंत्रिमंडल के विस्तार से पहले मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल मुंबई से गांधीनगर लौट आए हैं। इसके अलावा ज्यादातर विधायक भी विधायक निवास पहुंच गए हैं।

नए मंत्रियों को कल, 17 अक्टूबर, 2025 को महात्मा मंदिर में शपथ दिलाई जानी है। हालांकि, उससे पहले आज रात राज्य BJP और मुख्यमंत्री ने एक जरूरी मीटिंग बुलाई है। यह मीटिंग मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के गांधीनगर स्थित घर पर होनी है। मौजूदा सरकार के सभी मंत्रियों को इस मीटिंग में शामिल होने के लिए कहा गया है। साथ ही, मीटिंग ऑर्गनाइजेशन के पदाधिकारियों को भी मौजूद रहना है। जो डिटेल्स मिल रही हैं, उनके मुताबिक, नई बॉडी में जिन MLA को जगह दी जाएगी, उनमें से ज़्यादातर BJP से होंगे, जबकि कांग्रेस से BJP में शामिल हुए दो से तीन MLA को मंत्री बनाया जा सकता है।

200 करोड़ के घोटाले में फंसी मदुरै की मेयर ने दिया इस्तीफा, प्रॉपर्टी टैक्स के रिकॉर्ड में हेरफेर का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। मदुरै की मेयर और डीएमके नेता इंद्राणी पोनवासंत ने करोड़ों रुपये के संपत्ति कर घोटाले के आरोपों के बीच अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। हालांकि उन्होंने स्वास्थ्य कारणों से इस्तीफा देने की बात कही है। एक विशेष जांच दल (एसआईटी) वर्तमान में 200 करोड़ के घोटाले की जांच कर रहा है, जिसमें संपत्ति कर रिकॉर्ड में व्यापक हेरफेर शामिल है।

इंद्राणी के पति को किया गया गिरफ्तार- वहीं, एनडीटीवी के मुताबिक, इंद्राणी ने फोन कॉल नहीं उठाए हैं, लेकिन उनके पति पोन वसंत, जिन्हें इस मामले में गिरफ्तार किया गया था और हाल ही में जमानत पर रिहा किया गया है।

अधिकारियों के अनुसार, यह घोटाला 2022 और 2024 के बीच की अवधि का है, जब अधिकारियों ने कथित तौर पर लगभग 150 वाणिज्यिक भवनों के संपत्ति करों का कम मूल्यांकन करने के लिए अपनी शक्तियों का दुरुपयोग किया।

एक जनहित याचिका दायर करने वाले अन्नाद्रमुक पार्षद ने दावा किया कि इससे नगर निगम को अनुमानित 200 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

महाराष्ट्र में सड़क के गड्ढे की वजह से पुल से गिरी स्कूल वैन, 10 छात्र घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के भंडारा जिले में स्कूल से छात्रों के घर ले जा रही एक वैन पुल से नीचे गिर गई, जिस कारण 10 छात्र घायल हो गए। घटना तब हुई जब ड्राइवर सड़क पर बने गड्ढों से बचने की कोशिश कर रहा था।

यह घटना भंडारा जिले के सुरेवाड़ा में तब हुई, जब बच्चे गड्ढों से भरी सड़क से स्कूल से घर लौट रहे थे। ड्राइवर ने गड्ढों से बचने की कोशिश की, लेकिन गाड़ी पर से नियंत्रण खो बैठा और वैन एक नीची पुल से नीचे गिर गई। बच्चों को चोटें आईं और उन्हें जिला अस्पताल ले जाया गया।

लोगों ने लोक निर्माण विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाया- इस दुर्घटना ने एक बार फिर सड़क की खराब हालत को सुर्खियों में ला दिया है और इलाके के निवासियों ने लोक निर्माण विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए उसकी कड़ी आलोचना की है।

भंडारा को कहा जाता है झीलों का शहर - महाराष्ट्र के भंडारा जिले को अक्सर झीलों का जिला कहा जाता है क्योंकि यहां सदियों पुरानी लगभग 3,500 झीलें हैं। हाल ही में, इलाके के निवासियों ने इस बात का इस्तेमाल नगर निगम के अधिकारियों पर निशाना साधने के लिए किया है।

उन्होंने सोशल मीडिया पर पानी से भरे गड्ढों की तस्वीरें साझा की हैं और कहा है कि सड़कों की हालत बताती है कि यह जिला अपनी झीलों के लिए क्यों जाना जाता है।

RSS के कार्यक्रमों में सरकारी कर्मचारियों के जाने पर लगे बैन, प्रियांक खरगे ने CM को लिखा खत

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खरगे सरकारी परिसरों में आरएसएस की गतिविधियों पर पूरी तरह से बैन लगाने की मांग के बाद अब आरएसएस के कार्यक्रमों में भाग लेने वाले सरकारी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

उन्होंने इस बाबत मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को पत्र लिखा है। उन्होंने कर्नाटक सिविल सेवा के नियमों का उल्लेख करते हुए कहा कि ये नियम सरकारी कर्मचारियों को किसी भी राजनीतिक दल का हिस्सा बनने और राजनीतिक गतिविधियों में भाग लेने से रोकते हैं।

प्रियांक खरगे ने सीएम को लिखा पत्र- खरगे ने आरोप लगाया कि सरकारी अधिकारियों ने आरएसएस की गतिविधियों में भाग लेकर इन नियमों का उल्लंघन किया है। पत्र में खरगे ने लिखा कि स्पष्ट निर्देशों के बावजूद, सरकारी अधिकारी और कर्मचारी हाल के दिनों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और अन्य संगठनों द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में भाग ले रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया कि एक परिपत्र जारी किया जाए, जिसमें चेतावनी दी जाए कि नियमों का उल्लंघन करने वाले अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

इससे पहले, खरगे ने मुख्यमंत्री से सरकारी स्कूलों, कालेजों और मंदिरों में आरएसएस की गतिविधियों पर रोक लगाने की भी मांग की थी। उन्होंने संगठन पर युवाओं का ब्रेनवाश करने और संविधान के विरुद्ध विचारधारा को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। कर्नाटक के भाजपा विधायक महेश तेंगिंकाई ने खरगे की मांग पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्हें संघ का शताब्दी समारोह बर्दाश्त नहीं है, इसलिए उन्होंने ऐसी टिप्पणी की। संघ का कार्य गांव से लेकर वैश्विक स्तर पर फैल रहा है।

नहीं कर सकते खुद का बचाव, अहमदाबाद प्लेन क्रैश में मारे गए पायलट के पिता ने खटखटाया सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अहमदाबाद में एअर इंडिया प्लेन क्रैश में 260 लोगों की मौत के चार महीने बाद कैप्टन सुमीत सभरवाल के पिता ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। उन्होंने अर्जी देकर प्लेन क्रैश की न्यायिक निगरानी जांच की मांग की है।

88 साल के पुष्कारराज सभरवाल इस मामले में पहले पिटीशनर हैं, जबकि फेडरेशन ऑफ इंडियन पायलट्स दूसरा। पिटीशनर का कहना है कि प्लेन क्रैश की शुरुआती जांच बहुत ही ज्यादा गलत है। उनका कहना है कि जांच टीम ज्यादातर पायलटों पर फोकस कर रही है, जो अब अपना बचाव भी नहीं कर सकते।

एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट्स इन्वेस्टिगेशन बोर्ड की शुरुआती रिपोर्ट में बताया गया कि इंसानी गलती की वजह से यह हादसा हुआ। पिटीशन में कहा गया है, जांच के मौजूदा तरीके की वजह से उन दूसरे ज्यादा भरोसेमंद टेक्निकल और प्रोसीजरल फैक्टर्स की ठीक से जांच नहीं हो पाई है, या उन्हें खारिज नहीं किया जा सका है। जिनकी वजह से यह हादसा हुआ। इसमें आगे कहा गया है, पिटीशनर इस बात पर जोर देते हैं कि खास खुलासे के जरिए गलत जानकारी देना, खासकर उन क्रू के खिलाफ जो अपना बचाव नहीं कर सकते, असली वजह का पता लगाने में रुकावट डालता है और भविष्य की फ्लाइट सेफ्टी के लिए खतरा है - इसलिए एक न्यूट्रल कोर्ट की राय की जरूरत है।

पिटीशन में पांच लोगों की इन्वेस्टिगेशन टीम के कंपोजिशन पर सवाल उठाते हुए कहा गया है कि यह नेचुरल जस्टिस के फंडामेंटल प्रिंसिपल का उल्लंघन करता है, जिसके अनुसार कोई भी व्यक्ति अपने मामले में खुद जज नहीं बन सकता। कहा गया, टीम में ष्ठलष्ट, स्टेट एविएशन अथॉरिटीज के ऑफिसर्स का दबदबा है, जिनके प्रोसीजर, ओवरसाइट और पॉसिबल कमियां सीधे इन्वेस्टिगेशन में शामिल हैं। इसके अलावा, ऑफिसर्स को DG, AAIB के कंट्रोल में रखा गया है, जिससे ऐसी सिचुएशन बन रही है जहां सिविल एविएशन को रेगुलेट और ओवरसी करने के लिए जिम्मेदार एंटिटीज ही असल में खुद ही इन्वेस्टिगेशन कर रही हैं।

केरल में हिजाब विवाद पर हाईकोर्ट जाएगा स्कूल प्रबंधन, शिक्षा मंत्री बोले- ड्रेस कोड को लेकर कोई मतभेद नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। पल्लुरुथी स्थित चर्च द्वारा संचालित पब्लिक स्कूल शिक्षा उप निदेशक (डीडीई) की उस रिपोर्ट के खिलाफ केरल हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाएगा, जिसमें संस्थान की ओर से कथित चूक का आरोप लगाया गया है।

स्कूल में एक छात्रा के हिजाब पहनकर आने पर विवाद शुरू हुआ था। सेंट रीटा पब्लिक स्कूल के अभिभावक-शिक्षक संघ (पीटीए) के अध्यक्ष जोशी कैथावलप्पिल ने बताया कि डीडीई की रिपोर्ट बिना उचित जांच के प्रस्तुत की गई थी। उन्होंने कहा, %%हमने रिपोर्ट के खिलाफ केरल हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाने का फैसला किया है। यह स्कूल प्रबंधन या पीटीए से ठीक से बात किए बिना या स्थिति का आकलन किए बिना तैयार की गई थी।

डीडीई की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि छात्रा को हिजाब पहनने के कारण स्कूल से बाहर निकाल दिया गया, जो उसके शिक्षा के अधिकार का उल्लंघन है। हालांकि, स्कूल ने आरोप से इन्कार किया है। साथ ही कहा कि छात्रा को कक्षाओं में आने के उसके अधिकार से कभी वंचित नहीं किया गया। आठवीं कक्षा की छात्रा बुधवार और गुरुवार को स्कूल नहीं गई। जोशी ने कहा, हमें पता चला कि उसकी तबीयत ठीक नहीं है।

ड्रेस कोड को लेकर कोई मतभेद नहीं- छात्रा के माता-पिता ने बताया कि घटना के बाद उनकी बेटी की तबीयत खराब हो गई है। वह बहुत परेशान है। इस बीच, केरल के सामान्य शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने गुरुवार को सेंट रीटा पब्लिक स्कूल के प्रबंधन से कहा कि वे इस मुद्दे पर सरकार के खिलाफ बयानबाजी न करें। मंत्री ने कहा कि मुद्दा सुलझा लिया गया है और ड्रेस कोड को लेकर सरकार और स्कूल प्रबंधन के बीच कोई मतभेद नहीं है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
हिन्दकुश
info@hindkush.in
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
जागरयाम
info@jagrayam.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 कृष्ण एकादशी

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

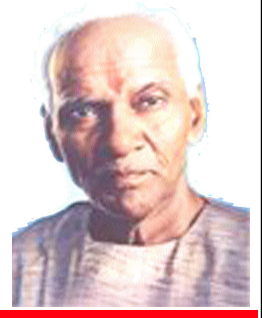

संपादकीय

भारत अपनी संस्कृति,आध्यात्मिकता, अहिंसा धर्मनिरपेक्षता इत्यादि अनेकों विशेषताओं के लिए विश्व प्रसिद्ध है...

भारत अपनी संस्कृति,आध्यात्मिकता, अहिंसा धर्मनिरपेक्षता,परमो धर्मा और सच्चाई की मूरत राजा हरिश्चंद्र इत्यादि अनेकों विशेषताओं के लिए विश्व प्रसिद्ध है। एक झूठ के पीछे सव झूठ बोलना पड़ता है और झूठ के दलदल में मनुष्य घुसता चला जाता है।जिससे उसकी वर्तमान पीढ़ी तो ध्वस्त होती ही है पर आने वाली पीढ़ियों में भी यह दोष समाया रहता है।

साथियों बात अगर हम सच्चाई की साक्षात मूरत राजा हरिश्चंद्र की करें तो,सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र सदैव सत्य बोलते थे। वह अपने सत्य और न्याय के लिए जाने जाते थे। इसलिए आज भी उनकी कहानियां बड़े सम्मान के साथ सुनाई जाती हैं।हमने अपने बड़े बुजुर्गों से अनेक कई किस्से सुने हैं।हम,आज की जनरेशन करीब-करीब हर सच्चाई वाली बात में इस महान मूरत का नाम ज़रूर जोड़तेहैं।हमारे बड़े बुजुर्गों से हमने कई वाक्य सुने हैं, जैसे सच्चाई छुप नहीं सकती बनावट के उसूलों से, सत्य की हार नहीं होती,सत्य परेशान हो सकता है पराजित नहीं,सत्यमेव जयते।

साथियों बात अगर हम सत्यमेव जयते इसकी करें तो हम अनेक शासकीय,अशासकीय स्थानों पर इसका उल्लेख ज़रूर देखते हैं।यही सत्य है कि हमेशा सत्य की विजय होती है।

साथियों बात अगर हम भारतीय आध्यात्मिकता की करें तो हमें यही ज्ञान मिलता है कि सत्य व दौलत है जैसे पहले खर्च करो फिर जिंदगी भर आनंद पाओ और झूठ वह कर्ज है जिससे क्षणिक सुख पाओ और जिंदगी भर उसे चुकाते रहो बिल्कुल सत्य वचन!

साथियों यह बात अगर मानव के हृदय में बस जाए तो वाह क्या बात है! हम पृथ्वी लोक में ही स्वर्ग के दर्शन कर सकेंगे।अगर हर भारतीय व्यक्ति चाहे वह सरकारी हो या शासकीय कर्मचारी, मंत्री हो या नेता, कार्यकर्ता हो या मालिक,सभी अगर सत्यता रूपी दौलत को पूरी निष्ठा से खर्च करें अर्थात ईमानदारी से अपनी अफसर शाही ड्यूटी, व्यापार-व्यवसायज दिनचर्या अर्थात जीवन के हर काम हर मोड़ पर सत्यता बरसाएगें तो वह खुद तो जीवन का आनंद जरूर पाएगें परंतु उससे अधिक भारत को स्वर्ग जैसा सुंदर रचना बनाने में अहम रोल अदा करेगें। भारत एक अपराध मुक्त भारत की परिकल्पना में साकार होगा।कोई अदालत, पुलिस स्टेशन,जांच एजेंसियां नहीं होगी क्योंकि यह सब झूठ और अपराध को काटने के लिए ही बनाई गई हैं।

साथियों बात अगर हम झूठ की करें तो हमने अपने व्यवहारिक जीवन में देखा होगा कि बेईमान, रिश्वतखोर, झूठा, भ्रष्टाचारी, धोखेबाज इत्यादि तरह के मानव कभी अपने जीवन में सुखी नहीं होते। चाहे कितना भी अवैध धन कमा लें,उनके पीछे परिवार का, उनके स्वास्थ्य का, मानसिक हालत हमेशा दुखों में बनी रहती हैउनके शरीर के नसों में झूठ रूपी खून दौड़ता है और इन नकारात्मक झूठे व्यवहारों से उनका क्षणिक आर्थिक सुख मिलता है परंतु उसके लिए उनको जीवन भर कष्टों में गुजारना पड़ता है। जितना क्षणिक सुख प्राप्त होता है वह ब्याज सहित याने अतिरिक्त दुख सहित यहीं इस जीवन में भोगना पड़ता है और फिर अंत में पछताते हैं के ऐसा क्यों हुआ,ऊपर वाले से क्षमा याचना करते हैं।पर कहते हैं ना कि जब चिड़ियां चुग गई खेत,अब पछतावे क्या होए साथियों बात अगर हम सत्य की गहराई की करें तो,सत्य दो प्रकार का होता है- एक व्यवहारिक सत्य और दूसरा वास्तविक। व्यवहारिक सत्य का अर्थ है जैसा देखा, जैसा सुना और जैसा अनुभव किया, उसको वैसा ही बोलना सत्य कहलाता है।व्यवहारिक सत्य में हो सकता है, जो एक के लिए सत्य है, वो दूसरे के लिए असत्य हो। वैसे तो हर व्यक्ति अपने मुताबिक अपना सत्य बना लेता है। यह व्यवहारिक सत्य, अनुभव, नजरिए और देश, काल के आधार पर अलग-अलग हो सकता है।

विश्व आघात दिवस

विश्व आघात दिवस प्रतिवर्ष 17 अक्टूबर को मनाया जाता है। विश्व आघात दिवस जीवन को सबसे नाज़ुक क्षणों के दौरान बचाने और सुरक्षा के महत्व पर ध्यान केंद्रित करने तथा आघात से होने वाली मृत्यु से बचने की तैयारी एवं महत्वपूर्ण उपायों को अपनाने के लिए मनाया जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार विश्वभर में मृत्यु एवं विकलांगता का प्रमुख कारण आघात है। आघात का मतलब किसी भी तरह की शारीरिक एवं मानसिक चोट हो सकती है। इस तरह की चोटों के कारणों की कई वज़ह जैसे कि सड़क दुर्घटना, आग, जलना, गिरना, प्राकृतिक या मानव निर्मित आपदाएँ और हिंसक कृत्य तथा कमज़ोर आबादी महिलाओं, बच्चों एवं बुजुर्गों के ख़िलाफ़ होने वाले अपराध हो सकते हैं। इन सभी कारणों के मध्य विश्वभर में आघात का प्रमुख कारण सड़क यातायात दुर्घटना (आरटीए) है। कई तरह की चोट अस्थायी या स्थायी विकलांगता को पैदा करती है। जबकि अन्य तरह की चोट मृत्यु का कारण भी हो सकती है।

भारत में हर छह मिनट पर एक व्यक्ति सड़क दुर्घटना के कारण मौत का शिकार हो जाता है। दिल्ली की सड़कों पर फर्राटा भर रहे वाहनों ने वर्ष 2015 में छह सौ से अधिक लोगों की जान ले ली। वहीं आंकड़ों के मुताबिक़ जनवरी 2016 से सितंबर तक करीब छह सौ लोगों की मौत हो चुकी है। वर्ष 2014 में यहां दुर्घटना में मरने वालों की संख्या 546 थी। यह आंकड़े ट्रैफिक पुलिस से प्राप्त हुए है। विशेषज्ञों का कहना है कि इन हादसों से बचने के लिए अगर वाहन चालक सिर्फ ट्रैफिक नियम का पालन करें तो 60 प्रतिशत तक कमी आ सकती है।

संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान (एसजीपीजीआई) के न्यूरोसर्जरी विभाग के प्रोफेसर संजय बिहारी और प्रो.अरुण श्रीवास्तव के अनुसार सड़क हादसों के कारण होने वाली मौत में 70 फीसद लोगों की आयु 45 साल से कम होती है। सड़क दुर्घटना से लोगों को निजी व व्यावसायिक चालकों के व्यवहार में परिवर्तन लाकर, वैरियर, गति अवरोधक, सीट बेल्ट व हेलमेट लगाने की बाध्यता, चिकित्सकीय व आकस्मिक सेवाओं में सुधार, ब्रेथ (शराब पीने) परीक्षण सहित दूसरे उपायों पर जोर देकर ही बचाया जा सकता है।

विशेषज्ञों के मुताबिक़, देश में हर साल दस लाख लोग हेड इंजरी के शिकार होते हैं, जिनमें से 75 से 80 फीसद लोगों में सड़क दुर्घटना के कारण होती है। हेड इंजरी के शिकार 50 फीसद लोग मर जाते हैं तो 25 फीसद लोग विकलांग हो जाते हैं। यह आंकड़े आपको डराने के लिए नहीं बल्कि सचेत करने के लिए बताए जा रहे हैं। इन आंकड़ों में आप की सावधानी कमी ला सकती है। पिछले दो दशकों में सड़क दुर्घटना के कारण होने वाली मौत व बीमारियों में 64 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

सड़क दुर्घटना के कारण मौतें

विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के अनुसार हर साल जितने लोग बीमार होते हैं उनमें से 2.6 प्रतिशत लोग सड़क दुर्घटना के कारण बीमार होते हैं।

प्रतिवर्ष कुल जितनी मौत होती हैं उनमें से 23 प्रतिशत लोग सड़क दुर्घटना के शिकार होते हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि सड़क दुर्घटना के कुल 41 फीसद मामलों में वाहन की तेज गति मौत का कारण बनता है।

सड़क दुर्घटना के कारण मौत के शिकार होने वाले 30 फीसद मामलों में दो पहिया वाहन होते है और साइकिल तीन फीसद होती है।

हेलमेट पहने से सिर पर गंभीर चोट की आशंका 72 फीसद और मौत की आशंका 39 फीसद तक कम हो जाती है।

उल्लेखनीय तथ्य

दुर्घटना ग्रस्त 85 से 90 फीसद लोगों की मौत की कमी का कारण शरीर में आक्सीजन की कमी देखी गई है।

160 फीसद में हेड इंजरी 1 सड़क दुर्घटना के शिकार 60 प्रतिशत लोगों को हेड इंजरी होती है।

30 प्रतिशत लोगों की रीढ़ की हड्डी में आघात होता है। 10 प्रतिशत लोगों के हाथ-पैर में फ्रैक्चर होता है।

हेड इंजरी व रीढ़ की हड्डी में चोट ही व्यक्ति को मौत की तरफ ले जाती है।

श्वसन तंत्र बाधित होने के कारण दुर्घटना ग्रस्त व्यक्ति का इलाज प्रभावित होता है।

क्या न करें

गाड़ी चलाते समय गाड़ी में बैठे अन्य लोगों से बातचीत करने से बचें।

गाड़ी में लगे नियंत्रक उपकरणों में तालमेल रखें।

कुछ खाने या पीने से बचें।

नींद आने पर गाड़ी को सड़क किनारे रोक दें।

मोबाइल फोन पर बात करते हुए गाड़ी न चलाएं।

वाहन चलाते समय स्टीरियो में कैसेट या सीडी न बदलें।

क्या करें

जहां तक संभव हो मानसिक तनाव देने वाली बातचीत से बचे।

एंटी एलर्जिक दवाओं का सेवन करने के बाद गाड़ी मत चलाएं।

सेल फोन पर बात करना हो तो पहले गाड़ी सुरक्षित स्थान पर खड़ी करें।

सीट बेल्ट व हेलमेट के प्रयोग में कोताही न बरतें।

शराब या दूसरे किसी नशे का सेवन कर गाड़ी कभी मत चलाए।

दुर्घटना में शिकार व्यक्ति को उठाने में सावधानी बरतें, बाहरी रक्तस्राव को रोकने के लिए उस स्थान पर कपड़ा बांध दें।

अपने मोबाइल फोन को ऐसी जगह रखे जहां से आसानी से देख सकें।

गाड़ी चलाते समय हैंड फ्री सेट का प्रयोग करें

सावधानी बरतें

दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का प्रयोग करें।

चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का अवश्य लगाएं।

40 से अधिक स्पीड में वाहन न चलाएं।

बायें से ओवरटेक न करें।

शराब पीकर वाहन कतई न चलाएं।

ब्रेकर पर स्पीड धीमी कर दें।

साइड मिलने पर ही ओवरटेक करें।

ट्रैफिक सिग्नल का पालन करें।

वाहनों में फाग लाइट का प्रयोग करें।

हाईवे पर 20-30 की स्पीड में ही वाहन चलाएं।

सड़क किनारे वाहन पार्क करते समय आगे पीछे के डिपर जला कर रखें।

वाहन चलाते समय लो बीम लाइट का प्रयोग करें।

वाहन चलाते समय सड़क पर बनी रोड साइन (पीले रंग पट्टी) को देखते हुए चलें, क्योंकि पीली पट्टी लाइट पड़ने पर चमकती है। इससे आपको सड़क के गड्ढे और ऊबड़-खाबड़ होने के बारे में पता चलता है।

सर्दी आते ही शहर के बाहरी इलाकों समेत अंदर की सड़कों पर घना कोहरा छा जाता है, जिस कारण वाहन चलाते समय विशेष सावधानी बरतनी चाहिए।

दुर्घटना होने पर क्या करें?

आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर पर तुरंत कॉल करें तथा जल्द से जल्द पर्याप्त सहायता प्राप्त करें। यह याद रखें कि घायल व्यक्ति के लिए हर क्षण महत्वपूर्ण होता है।

यह बेहद महत्वपूर्ण है कि घायल व्यक्ति को एक घंटे के भीतर चिकित्सा देखभाल प्राप्त हों (आपातकालीन फोन नंबर)।

दुर्घटना की विस्तृत जानकारी देने के लिए तुरंत पुलिस को फ़ोन करें।

जोमैटो का मुनाफा 63त्न गिरकर रहा 65 करोड़, ब्लिंकिट का रेवेन्यू 756% बढ़कर पहुंचा 9,891 करोड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑनलाइन फूड डिलीवरी और क्विक कॉमर्स सर्विस देने वाली कंपनी इटर्नल (पहले जोमैटो) ने दूसरी तिमाही के नतीजे पेश कर दिए हैं। कंपनी का मुनाफा इस क्वार्टर में घटकर 65 करोड़ रह गया, जो एक साल पहले की समान तिमाही में 176 करोड़ से 63त्न कम है। हालांकि, पिछली तिमाही (अप्रैल-जून) की तुलना में नेट प्रॉफिट में सुधार हुआ है, जो 25 करोड़ रहा था। इटरनल लिमिटेड, फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म ज़ोमैटो और क्विक कॉमर्स फर्म ब्लिंकिट का संचालन करती है।

ज़ोमैटो का ऑपरेशन से रेवेन्यू दूसरी तिमाही में सालाना आधार पर 183 प्रतिशत बढ़कर 13,590 करोड़ रुपये रहा, जो एक साल पहले 4,799 करोड़ रुपये था। हालांकि, क्ता में कंपनी ने 7,167 करोड़ रुपये का रेवेन्यू दर्ज किया था।

कंपनी के कुल खर्च बढ़े- इटरनल का कुल खर्च सितंबर में समाप्त तिमाही में 188 प्रतिशत बढ़कर 13,813 करोड़ रुपये हो गया, जो एक साल पहले 4,783 करोड़ रुपये और एक तिमाही पहले 7,433 करोड़ रुपये था। ज़ोमैटो का इस तिमाही के अंत में कैश बैलेंस 18,314 करोड़ रुपये रहा, जो पिछली तिमाही में 18,857 करोड़ रुपये से कम है।

फूड डिलीवरी सर्विस से इनकम- सितंबर तिमाही में कंपनी का फूड डिस्ट्रीब्यूशन बिजनेस का समायोजित राजस्व साल-दर-साल 22 प्रतिशत बढ़कर 2,863 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले वर्ष की समान तिमाही में 2,340 करोड़ रुपये था।

ज़ोमैटो के फूड डिलीवरी प्लेटफ़ॉर्म के लिए औसत मासिक लेन-देन करने वाले ग्राहकों की संख्या 22.9 मिलियन से बढ़कर 24.1 मिलियन हो गई। एक साल पहले इसी अवधि में प्लेटफ़ॉर्म पर 20.7 मिलियन कस्टमर थे।

ब्लिंकिट से हुई कमाई- ज़ोमैटो की क्विक कॉमर्स यूनिट ब्लिंकिट ने Q2FY26 में 156 करोड़ रुपये का लॉस दर्ज किया, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान हुए 8 करोड़ रुपये के नुकसान से अधिक है। यह घाटा कंपनी के तेजी से डार्क स्टोर विस्तार के कारण हुआ है।

1 पर 5 बोनस शेयर बांटने का ऐलान, 5 महीने में 900% चढ़ गया यह मल्टीबैगर शेयर

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्मॉलकैप कंपनी ऑटोराइडर्स इंटरनेशनल के शेयरों में पिछले कुछ महीनों में गजब की तेजी आई है। कंपनी के शेयर गुरुवार को 5 पर्सेंट के अपर सर्किट के साथ 4464.60 रुपये पर बंद हुए हैं। ऑटोराइडर्स इंटरनेशनल के शेयरों ने गुरुवार को 52 हफ्ते का अपना नया हाई भी बनाया है। अगर पिछले एक महीने की बात करें तो कंपनी के शेयरों में 178 पर्सेंट से ज्यादा की तेजी देखने को मिली है। वहीं, पिछले 5 महीने में कंपनी के शेयर 900 पर्सेंट उछल गए हैं। कंपनी ने अपने शेयरधारकों को बोनस शेयर बांटने का भी ऐलान किया है।

लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशन उपलब्ध कराने वाली कंपनी ऑटोराइडर्स इंटरनेशनल ने अपने निवेशकों को बोनस शेयर देने की घोषणा की है। कंपनी के बोर्ड ने पिछले महीने हुई मीटिंग में बोनस शेयर जारी करने की मंजूरी दे दी है। ऑटोराइडर्स इंटरनेशनल अपने शेयरधारकों को 5:1 के अनुपात में बोनस शेयर बांटेगी। यानी, कंपनी हर 1 शेयर पर 5 बोनस शेयर देगी। मल्टीबैगर कंपनी ने अभी बोनस शेयर की रिकॉर्ड डेट की घोषणा नहीं की है। इससे पहले, ऑटोराइडर्स इंटरनेशनल अपने निवेशकों को 1:1 के रेशियो में बोनस शेयर बांट चुकी है। मल्टीबैगर कंपनी ऑटोराइडर्स इंटरनेशनल के शेयर पिछले पांच महीने में 900 पर्सेंट उछल गए हैं।

शेयर बाजार के लिए मंगलकारी गुरुवार, निफ्टी 25500 के पार, ट्रेड डील समेत इन 4 कारणों से मार्केट में आई तेजी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय शेयर बाजार के लिए गुरुवार का दिन बेहद मंगलकारी साबित हो रहा है। क्योंकि, निफ्टी 25500 के पार चला गया है जबकि सेंसेक्स में 613 प्वाइंट का उछाल आया है। बाजार में यह तेजी एफएमसीजी, बैंकिंग शेयरों में बढ़त और अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद के चलते देखने को मिल रही है। निफ्टी और सेंसेक्स, दोनों 0.70 फीसदी से ज्यादा चढ़ गए हैं।

बाजार में सबसे ज्यादा तेजी एफएमसीजी और ऑटो शेयरों में देखने को मिल रही है, निफ्टी एफएमसीजी इंडेक्स 1.50 फीसदी तो निफ्टी ऑटो इंडेक्स 1.36 प्रतिशत की बढ़त के साथ कारोबार कर रहे हैं। इसके अलावा, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स समेत मार्केट के सभी सेक्टर में खरीदारी देखी जा रही है।

बाजार की तेजी के 4 बड़े कारण- बैंकिंग व स्वस्थ्य शेयरों में तेजी- शेयर बाजार में तेजी को बैंकिंग व एफएमसीजी शेयर लीड कर रहे हैं। निफ्टी बैंक आज करीब 0.50 फीसदी चढ़ गया। नतीजो के बाद एक्सिस बैंक के शेयरों में 4 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली। वहीं, नेस्ले इंडिया का शेयर भी रिजल्ट के बाद 4 फीसदी तक उछल गया। इसके अलावा, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक समेत अन्य शेयरों में जोरदार खरीदारी देखी जा रही है।

विदेशी निवेशकों की खरीदारी- पिछले कुछ कारोबारी सत्रों से विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बाजार में बिकवाली रोकी है और खरीदारी कर रहे हैं। एफआईआई ने बुधवार को 68.64 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 4,650.08 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

भारत-अमेरिका में ट्रेड डील की बढ़ती उम्मीद- बाजार में तेजी की एक और खास वजह भारत व अमेरिका के बीच ट्रेड डील को लेकर बढ़ती उम्मीदें हैं। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल गुरुवार को वाशिंगटन में भारतीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल होंगे, जहां व्यापार वार्ता पर चर्चा होने की संभावना है।

3, 4 और 6 रुपये वाले शेयरों का मल्टीबैगर रिटर्न, 5000% तक बढ़ा भाव, दिवाली से दिवाली तक 300 तक पहुंची कीमतें

5000 फीसदी तक रिटर्न देने वाले शेयर- जीएचवी इन्फ्रा प्रोजेक्ट्स के शेयरों ने पिछली दिवाली से लेकर अब तक 5415त्न का रिटर्न दे दिया है। पिछले साल अक्तूबर में इस कंपनी के स्टॉक का प्राइस 4 रुपये था और अब कीमत 314 रुपये है।

दिवाली 2024 से दिवाली 2025 तक, पिछले एक साल में सेंसेक्स और निफ्टी ने महज 4 फीसदी तक रिटर्न दिया है, जो पिछले तीन सालों में उनकी सबसे कम वार्षिक बढ़त है। वहीं, दूसरी ओर कुछ शेयरों ने इस अवधि में 5000त्न से ज्यादा रिटर्न दे दिया है। स्मॉल और मिडकैप साइज के इन शेयरों ने पिछले एक साल में काफी सुर्खियां बटोरी है। इन मल्टीबैगर शेयरों में जीएचवी इंफ्रा प्रोजेक्ट्स, इलिटकॉन इंटरनेशनल, कोलाब प्लेटफॉर्म, स्ट्रिंग मेटावर्स जैसे शेयर शामिल हैं।

तंबाकू का बिजनेस करने वाली कंपनी, इलिटकॉन इंटरनेशनल के शेयर पिछले एक साल में 3402त्न तक चढ़ गए हैं। पिछले साल अक्तूबर में कंपनी के शेयरों की कीमत 3.87 रुपये थी और अब भाव 164 रुपये है।

ग्रेनाइट और मार्बल का बिजनेस करने वाली कंपनी मिडवेस्ट गोल्ड के शेयरों ने पिछले एक साल में 2606त्न रिटर्न दिया। अक्तूबर 2024 में कंपनी के शेयरों का प्राइस 17 रुपये था और अब कीमत 2182 रुपये है।

अमेरिका वाले कानूनी केस में गौतम अदाणी को राहत, सुनवाई पर लगी अस्थाई रूप से रोक

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के अरबपति कारोबारी गौतम अदाणी के लिए बड़ी राहत की खबर आई है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी सिक्योरिटी एंड एक्सचेंज कमीशन द्वारा अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी पर सिक्योरिटी कानूनों के उल्लंघन का आरोप लगाने वाला मुकदमा, अमेरिका में सरकारी शटडाउन की वजह से अस्थायी रूप से रोक दिया गया है।

इस मामले में ब्रुकलिन के अभियोजक पक्ष ने अदाणी ग्रुप पर धोखाधड़ी और 25 करोड़ डॉलर की रिश्वतखोरी की योजना बनाने का आरोप लगाया था। 5 आर्टिकल वाले इस आपराधिक अभियोग में गौतम अदाणी के भतीजे सागर आर. अदाणी और अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के कार्यकारी विनीत एस. जैन का भी नाम है, जिन पर संघीय कानूनों का कथित उल्लंघन करने का आरोप है।

इसके अलावा, एसईसी द्वारा दायर एक दीवानी मुकदमे में आरोप लगाया गया है कि गौतम और सागर अदाणी ने अमेरिकी सिक्योरिटी कानूनों के तहत अदाणी ग्रीन एनर्जी के बारे में झूठे और भ्रामक बयान दिए। 10 अक्टूबर को दायर एक याचिका में नियामकों ने कहा कि इस मामले को देख रहे एसईसी के वकील सरकारी बंद के दौरान छुट्टी पर होने के कारण इस मामले पर काम करने के लिए उपलब्ध नहीं थे।

अदाणी ग्रुप खारिज कर चुका है आरोप- हालांकि, अदाणी समूह अमेरिका में लगे इन आरोपों को निराधार बताकर खारिज कर चुका है। जून में गौतम अडानी ने कहा था, इतने शोर-शराबे के बावजूद, तथ्य यह है कि अदाणी समूह के किसी भी व्यक्ति पर एफसीपीए का उल्लंघन करने या न्याय में बाधा डालने की साजिश रचने का आरोप नहीं लगाया गया है।

1 पर 5 बोनस शेयर बांटने का ऐलान, 5 महीने में 900% चढ़ गया यह मल्टीबैगर शेयर

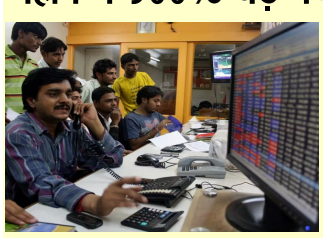

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्मॉलकैप कंपनी ऑटोराइडर्स इंटरनेशनल के शेयरों में पिछले कुछ महीनों में गजब की तेजी आई है। कंपनी के शेयर गुरुवार को 5 पर्सेंट के अपर सर्किट के साथ 4464.60 रुपये पर बंद हुए हैं। ऑटोराइडर्स इंटरनेशनल के शेयरों ने गुरुवार को 52 हफ्ते का अपना नया हाई भी बनाया है। अगर पिछले एक महीने की बात करें तो कंपनी के शेयरों में 178 पर्सेंट से ज्यादा की तेजी देखने को मिली है। वहीं, पिछले 5 महीने में कंपनी के शेयर 900 पर्सेंट उछल गए हैं। कंपनी ने अपने शेयरधारकों को बोनस शेयर बांटने का भी ऐलान किया है।

लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशन उपलब्ध कराने वाली कंपनी ऑटोराइडर्स इंटरनेशनल ने अपने निवेशकों को बोनस शेयर देने की घोषणा की है। कंपनी के बोर्ड ने पिछले महीने हुई मीटिंग में बोनस शेयर जारी करने की मंजूरी दे दी है। ऑटोराइडर्स इंटरनेशनल अपने शेयरधारकों को 5:1 के अनुपात में बोनस शेयर बांटेगी। यानी, कंपनी हर 1 शेयर पर 5 बोनस शेयर देगी। मल्टीबैगर कंपनी ने अभी बोनस शेयर की रिकॉर्ड डेट की घोषणा नहीं की है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

पिता के इलाज में देरी से भड़का युवक, पुलिसवालों को जमकर पीटा

रतलाम। अपने पिता का इलाज कराने पहुंचे एक व्यक्ति ने बुधवार देर रात जिला अस्पताल में जमकर हंगामा किया। आरोपित ने आरक्षकों पर नशे में होने का आरोप लगाते हुए उनकी पिटाई कर दी।

मारपीट का वीडियो गुरुवार को इंटरनेट मीडिया पर वायरल होने से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। पुलिस जवान भी वीडियो असमान्य दिखाई दे रहे हैं। हालांकि अभी जांच चल रही है।

जानकारी के अनुसार, बुधवार देर रात करीब 12 बजे दिलीप नगर निवासी गौरव पुत्र राजेंद्र सोलंकी उर्फ जिमा अपने पिता का इलाज कराने जिला अस्पताल पहुंचा था। इलाज में देरी को लेकर उसने ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर सीपी सिंह राठौर से पहले बदतमीजी की और फिर गाली-गलौज शुरू कर दी।

डॉक्टर राठौर के विरोध करने पर आरोपित गौरव व उसके साथ आए लोगों ने वीडियो बनाना शुरू कर दिया और अश्लील शब्दों का प्रयोग करते हुए हंगामा करने लगे। स्थिति बिगड़ती देख डॉक्टर ने अस्पताल चौकी को सूचना दी।

सूचना पर ड्यूटी पर मौजूद आरक्षक विकास गरवाल और होमगार्ड सैनिक प्रमोद महावर मौके पर पहुंचे और आरोपित को समझाने का प्रयास किया, लेकिन गौरव ने दोनों पर नशे में होने का आरोप लगाते हुए हाथापाई शुरू कर दी। उसने दोनों जवानों की अस्पताल के ड्रेसिंग रूम में लात-घूसों से पिटाई कर दी, जबकि उसके साथ आए स्वजन और अन्य लोग वीडियो बनाते रहे। कुछ देर बाद थाना स्टेशन रोड से चिता जवान मौके पर पहुंचे और आरोपित को हिरासत में लेकर थाने ले गए। थाने में भी आरोपित गौरव ने हंगामा जारी रखा।

सीएसपी सत्येंद्र घनघोरिया ने बताया कि आरोपित गौरव पुलिस हिरासत में है। दोनों जवानों को थाने बुलाया गया है और मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सतना में पति-पत्नी का झगड़ा बना तमाशा, दोनों की मांओं ने सड़क पर एक-दूसरे को जड़े घूंसे

सतना। कोलगवां थाना क्षेत्र के टिकुरिया टोला में बुधवार को वैवाहिक विवाद सड़क पर तमाशा बन गया। पति-पत्नी के बीच शुरू हुआ झगड़ा इस हद तक पहुंचा कि दोनों की मांएं भी आपस में भिड़ गईं। मारपीट का यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

तनातनी से बढ़कर हुआ विवाद-जानकारी के मुताबिक, टिकुरिया टोला निवासी युवती की शादी कुछ माह पूर्व आरएस कॉलोनी निवासी युवक से हुई थी। विवाह के कुछ समय बाद ही दोनों के बीच मनमुटाव बढ़ने लगा। युवती अपने मायके लौट आई।

बुधवार को पति पत्नी को मनाने और वापस घर ले जाने पहुंचा, लेकिन बात सुलह के बजाय फिर विवाद में बदल गई। इस दौरान युवती ने थाने पहुंचकर पति पर पेट्रोल डालकर जान से मारने की कोशिश का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई। थाने पहुंची दोनों मांएं

शिकायत की खबर लगते ही युवक की मां मौके पर पहुंच गईं। ससुराल में हंगामा करने लगी। इस पर युवती की मां भी घर से बाहर निकल आई। दोनों के बीच तीखी नोकझोंक होने लगी। देखते-देखते विवाद हाथापाई में बदल गया। दोनों बीच सड़क पर लेटकर एक-दूसरे पर घूंसे बरसाने लगीं।

मोहल्लेवाले बने गवाह, पुलिस ने किया हस्तक्षेप

मोहल्ले के लोगों ने बीच-बचाव कर स्थिति संभाली। उसके बाद कोलगवां थाने को सूचना दी। पुलिस टीम मौके पर पहुंचकर दोनों पक्षों को थाने ले गई। फिलहाल पुलिस पूछताछ कर पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है।

जहरीले कफ सीरप के बाद छिंदवाड़ा में अब पानी से फैली बीमारी, 10 लोगों की हालत गंभीर

छिंदवाड़ा/अमरवाड़ा। स्वास्थ्य विभाग की टीम के द्वारा राजोला में उल्टी, दस्त बुखार के मरीजों का सतत उपचार किया जा रहा है। सीएमएचओ डा. नरेश गोन्नाडे ने बताया कि बुधवार को अमरवाड़ा विकास खंड के अंतर्गत ग्राम राजोला में उल्टी दस्त और बुखार के मरीजों के उपचार के लिए स्वास्थ्य विभाग के द्वारा स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए जिला स्तरीय और विकासखंड स्तरीय गठित चिकित्सकीय स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। संयुक्त टीम के द्वारा सर्विलेंस कार्य किया जा रहा है। विभागीय टीम और मैदानी कार्यकर्ताओं के माध्यम से घर-घर सर्वे के दौरान 458 घरों में सर्वे किया गया है।

ग्राम राजोला के ग्राम पंचायत भवन और आंगनवाड़ी केंद्र मे दस बिस्तर का अस्थाई अस्पताल में 374 मरीजों को त्वरित इलाज की सुविधा उपलब्ध कराई गई है और 141 मरीजों को आईवी फ्लूइड के माध्यम से उपचार किया जा रहा है। सभी मरीजों को आवश्यक दवाएं वितरित की गई हैं। जिला स्तरीय चिकित्सकीय टीम में डॉ धीरज दवंडे डीएचओ, डा राहुल नाग एपिडेमियोलाजिस्ट, डा हर्षवर्धन लोनकर, डा सुमित मोहबे, डा अजय राजपूत, डा. सुनील कुमार बाजिया और ब्लाक स्तरीय टीम में डा करुष ठाकुर, बीएमओ डा अहमद, आबीएसके चिकित्सक अखिलेश देशमुख बीपीएम, सीएचओ, एएनएम और एमपीडब्ल्यू और विकासखंड स्तरीय टीम के द्वारा सर्वे किया जा रहा है। सूचना से प्रशासन हरकत में आया गौरतलब है कि जिले के अमरवाड़ा विकासखंड के ग्राम राजोला में मंगलवार दोपहर अचानक ग्रामीणों को उल्टी-दस्त होने की सूचना मिलते ही प्रशासन हरकत में आ गया। कलेक्टर हरेंद्र नारायन ने एसडीएम अमरवाड़ा हेमकरण धुर्वे, प्रशासनिक अमला और स्वास्थ्य विभाग की टीम तत्काल गांव भेजा। जांच और इलाज के दौरान लगभग 233 लोगों का उपचार किया गया। इनमें से 93 मरीजों को ड्रिप लगाई गई, 10 गंभीर मरीजों को सिंगोड़ी अस्पताल रेफर किया गया, जबकि 150 ग्रामीणों को दवाएं दी गईं। गांव में किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए प्रशासन ने 4 एम्बुलेंस की व्यवस्था की है, ताकि जरूरत पड़ने पर मरीजों को तुरंत जिला अस्पताल भेजा जा सके।

टंकी को सफाई करने का निर्देश-इस गंभीर स्थिति को देखते हुए अमरवाड़ा विधायक कमलेश प्रताप शाह ने तुरंत जिला कलेक्टर हरेंद्र नारायण सिंग को फोन कर स्थिति से अवगत कराया। विधायक के निर्देश पर अमरवाड़ा एसडीएम हेमकरण धुर्वे और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को तुरंत गांव पहुंचकर प्रभावितों को स्वास्थ्य सेवाएं देने का आदेश दिया गया। साथ ही, पीएचई विभाग के एसडीओ चौधरी को टंकी की सफाई कर शुद्ध पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इस मौके पर विधायक प्रतिनिधि दीपक नेमा, भाजपा मंडल अध्यक्ष सोनू सरसबर, वरिष्ठ नेता डॉ. उमेश शर्मा, मुकेश सूर्यवंशी, रमेश पहलवान, प्रसादी पटेल, अमरवाड़ा एसडीएम हेमकरण धुर्वे, जनपद सीईओ जयदेव शर्मा, बीएमओ डॉ. करुष ठाकुर, तहसीलदार सृष्टि डेहरिया, तहसीलदार भूरिया, एसडीओ पीएचई चौधरी समेत कई अधिकारी मौजूद थे।

डिंडौरी में पानी की समस्या से परेशान ग्रामीणों ने अमरकंटक हाइवे पर लगाया जाम

डिंडौरी। मध्य प्रदेश के आदिवासी बहुल जिले डिंडौरी में पानी की समस्या को लेकर चक्का जाम करना आम हो गया है। इसी क्रम में पिछले लंबे समय से जल संकट से जूझ रहे जनपद करंजिया अंतर्गत ग्राम पंचायत धवाडोंगरी के ग्रामीणों ने गुरुवार की सुबह डिंडौरी से अमरकंटक मार्ग पर कनकधारा के पास चक्का जाम कर दिया। प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों ने बताया कि पंचायत में पिछले 9 महीने से नल जल योजना से पानी की सप्लाई नहीं हो पा रही है।

ग्रामीण कुएं सहित अन्य स्रोतों के दूषित पानी का उपयोग करने मजबूर हैं। गांव में किए गए बोर भी फेल हो चुके हैं। इस संबंध में जिम्मेदारों को भी समस्या से अवगत कराया जा चुका है। बावजूद इसके किसी भी स्तर पर कोई पहल नहीं हो सकी है। समस्या का समाधान न होने से आक्रोशित ग्रामीण गुरुवार की सुबह लगभग 9 बजे के आसपास सड़क में उतर आए और चक्का जाम कर दिया। जानकारी के मुताबिक एक घंटे बीतने के बाद भी अभी तक कोई जिम्मेदार मौके पर नहीं पहुंच सका है। हाइवे जाम होने से सड़क के दोनों ओर वाहनों के पहिए थम गए है। अधिकारियों की समझाइश के बाद माने ग्रामीण, जाम खुला

डिंडौरी से अमरकंटक मार्ग पर चक्का जाम की सूचना मिलने के बाद थाना प्रभारी गाड़ासरई, पीएचई विभाग के इंजीनियर अंशुल बिसेन, नायब तहसीलदार करंजिया शैलेश गौर राजस्व निरीक्षक, पटवारी सहित पुलिस बल मौके पर पहुंच गया। इंजीनियर सहित अधिकारियों द्वारा ग्रामीणों को बंद पड़ी नल जल योजना को शुरू कराने का आश्वासन दिया गया।

तत्काल बोरिंग मशीन बुलवाई गई और नल जल के बंद पड़े बोर की साफ सफाई करने की पहल शुरू की गई। उसके बाद ग्रामीण माने और सुबह 9 बजे से लगा जाम 10ः30 बजे के आसपास समाप्त हो हुआ। इसके बाद ही इस मार्ग पर आवागमन बहाल हो सका।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सड़क सुरक्षा नियमों के पालन का सभी से किया आह्वान

एडवांस एप्लीकेशन एप संजय का किया शुभारंभ

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जीवन अनमोल है। तेजी में या असावधानीवश सड़क सुरक्षा नियमों की अनदेखी किसी भी सूरत में उचित नहीं है। दुनिया का कोई भी काम किसी की जिंदगी से बड़ा नहीं होता, इसलिए चाहे जितनी भी जल्दी हो, सड़क पर चलते समय सुरक्षा नियमों का पालन करना हर नागरिक का प्राथमिक कर्तव्य है। उन्होंने अपील की कि सभी लोग दुपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट अवश्य पहनें और चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट लगाना कतई न भूलें। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सुधरेंगे, तो जग भी सुधरेगा। सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करना न केवल हमारी जरूरत है, बल्कि एक जागरूक नागरिक के रूप में हमारी बड़ी जिम्मेदारी भी है। सिविक सेंस कहता है कि वाहन चलाते समय हमें अपने साथ दूसरों के जीवन की सुरक्षा का दायित्व भी समझना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को आर.सी.वी.पी. नरोन्हा प्रशासन एवं

प्रबंधकीय अकादमी में सड़क सुरक्षा उपायों पर एक दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यशाला का शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि एक अच्छे वाहन चालक की सच्ची कुशलता तो इस बात में है कि हम सड़क पर अपनी सेंसिबल ड्राइविंग और जिम्मेदारीपूर्ण आचरण से दूसरों को भी प्रेरणा दें। सड़क सुरक्षा के प्रति सामूहिक सजगता से ही दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सकती है। जन-जागरुकता से समाज में एक सुरक्षित यातायात संस्कृति और इसके लिए जरूरी व्यवस्थाओं का निर्माण किया जा सकता है। सड़क सुरक्षा के लिए संसाधन उपलब्ध करवाने में हमारी सरकार कभी भी पीछे नहीं हटेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रिमोट का बटन दवाकर सड़क सुरक्षा के आधुनिक उपायों पर आधारित एडवांस एप्लीकेशन ÷संजय÷ का शुभारंभ किया। कार्यशाला में लोक निर्माण विभाग एवं मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम लिमिटेड द्वारा आईआईटी मद्रास और सेव लाइफ फाउंडेशन के साथ डीडीएचआई और सड़क सुरक्षा प्रबंधन पर दो अलग एमओयू हस्ताक्षरित कर परस्पर आदान-प्रदान किये गये। इस अवसर मुख्यमंत्री ने आईआईटी मद्रास द्वारा तैयार की गई सड़क सुरक्षा शिक्षा प्रणाली पुस्तक एवं रोड सेफ्टी रिपोर्ट का विमोचन भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि सड़क दुर्घटनाओं में जनहानि को कम करने के लिए लोक निर्माण विभाग नवाचार लागू कर तत्परतापूर्वक कार्य कर रहा है। आधुनिक समय में राजमार्गों के विकास के साथ सुविधा और चुनौतियां बढ़ रही हैं। प्रदेश में 9 हजार किलोमीटर के दायरे में राष्ट्रीय राजमार्ग और करीब 11 हजार किलोमीटर का राज्यमार्ग का रोड नेटवर्क है। उम्मीद है कि यह कार्यशाला सड़क सुरक्षा की दिशा में अपने लक्ष्य तक पहुंचेगी। प्रदेशवासियों की जिंदगी बचाने के लिए जो सुझाव आएंगे, उन्हें लागू करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को सशक्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य शुरू किए हैं। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी ने देश में स्वर्णिम चतुर्भुज का निर्माण कराया था। इन दोनों के बीच 10 साल तक विकास के क्रम में थोड़ी बाधाएं आईं, यह किसी से छिपी नहीं है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश देश के मध्य में है। यहां सड़क और राजमार्गों का बड़ा नेटवर्क है। देश के प्रमुख महानगरों तक जाने वाले मार्ग मध्यप्रदेश से होकर गुजरते हैं। उन्होंने कहा कि हम सड़क सुरक्षा प्रबंधन और दुर्घटनाएं रोकने के मामले में देश में पांचवें स्थान पर हैं।

अपर मुख्य सचिव विमानन श्री शुक्ला की अध्यक्षता में हैलीपेड निर्माण के संबंध में वीडियों कान्फ्रेसिंग द्वारा बैठक आयोजित

इंदौर। अपर मुख्य सचिव विमानन श्री संजय कुमार शुक्ला की अध्यक्षता में जिला मुख्यालय पर हैलीपेड निर्माण के संबंध में वीडियों कान्फ्रेसिंग द्वारा बैठक आयोजित हुई। बैठक में इंदौर सहित ग्वालियर, भोपाल, जबलपुर और उज्जैन के कलेक्टर एवं संबंधित अधिकारी शामिल हुए। इंदौर से अपर कलेक्टर श्री नवजीवन विजय पंवार उपस्थित रहे। बैठक में अपर मुख्य सचिव विमानन श्री शुक्ला ने सभी कलेक्टर्स एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी जिला एवं तहसील मुख्यालयों पर हैलीपेड ?निर्माण की योजना है। इसके लिए अधिकारीगण अपने-अपने क्षेत्र में हैलीपेड निर्माण के लिए स्थान चिन्हित कर लें। हैलीपेड शासकीय संस्थानों विशेषकर उच्च शिक्षा संस्थानों, यूनिवर्सिटी, निगम मुख?यालय आदि सुरक्षित स्थानों पर बनाये जाएंगे। बैठक में इंदौर के अपर कलेक्टर श्री पंवार ने बताया कि इंदौर में भंवरकुआँ चौराहा स्थित शासकीय अटल बिहारी वाजपेयी कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय परिसर एवं मुसाखेड़ी रिंग रोड़ स्थित पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय में हैलीपेड के लिए स्थान चिन्हित किये गए हैं।

जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट की पहल पर दीपावली में सांवेर को मिली बड़ी सौगात

इंदौर। सांवेर विधानसभा में अहिल्याबाई होलकर की राजधानी ग्राम कम्पेल में क्षेत्रीय विधायक एवं जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट के अनुरोध पर प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और उच्च शिक्षा मंत्री श्री इंदरसिंह परमार ने वर्ष 2023 से संचालित महाविद्यालय के लिए नवीन भवन निर्माण के लिए 16 करोड रूपये स्वीकृत कर दीपावली पर्व की सौगात दी है। इसके लिये मंत्री श्री सिलावट ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और उच्च शिक्षा मंत्री श्री इंदरसिंह परमार का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा

कि दीपावली पर्व पर सांवेर को स्वर्णिम सौगात मिली है। विद्यार्थियों के भविष्य के लिये कम्पेल महाविद्यालय का नवीन भवन नींव का पत्थर साबित होगा।

मंत्री सिलावट ने बताया कि इन्दौर शहर से लगभग 25 किलोमीटर की दूरी पर बसे ग्राम कम्पेल में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए छात्रों को कई प्रकार की परेशानियां होती है। वर्ष 2023 में कम्पेल में शासकीय महाविद्यालय प्रारंभ किया गया था, तब 6 छात्रों ने प्रवेश लिया था। वर्तमान में यहां पर तीन संकाय कला, वाणिज्य और विज्ञान की कक्षाएं 5 कक्षों में सचालित हो रही हैं, जिसमें 120 छात्र-छात्राएं अध्ययनरत है। विद्यालय भवन वर्तमान में 3 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला है, आने वाले समय में 3 हेक्टेयर जमीन और अतिरिक्त उपलब्ध होने पर यह 6 हेक्टेयर में संचालित होगा। 16 करोड की लागत से बनने वाले नवीन भवन में 12 कमरे, विज्ञान संकाय की 3 लेब, लायब्रेरी, स्टाफ रूम, कार्यालय भवन, छात्र-छात्राओं के लिए पृथक-पृथक शौचालय और खेल का मैदान होंगे। महाविद्यालय में वर्तमान 25 से अधिक ग्रामों के 120 छात्र-छात्राएं अध्ययनरत है। इस महाविद्यालय में प्राचार्य सहित 6 शिक्षकों द्वारा अध्यापन कराया जा रहा है।

राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू इंदौर संभाग के तीन जिलों को करेंगी सम्मानित

इंदौर। राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मू द्वारा इंदौर संभाग के पांच जिले बड़वानी, धार, खंडवा,झाबुआ और बुरहानपुर को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित एक सम्मारोह में सम्मानित किया जाएगा। इंदौर संभाग में संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े के निर्देशन में आदि कर्मयोगी अभियान के

अंतर्गत संभाग ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े के विशेष निर्देशन में झाबुआ जिले को एक अलग उपलब्धि के लिए राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू के समक्ष प्रस्तुतिकरण का अवसर मिला है। शुक्रवार को नई दिल्ली में आयोजित समारोह में झाबुआ कलेक्टर नेहा मीणा आदि कर्मयोगी अभियान और आदि कर्मयोगी पर्व पर अपना प्रस्तुतिकरण देंगी। साथ ही बुरहानपुर जिले को भी धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत उत्कृष्ट कार्य करने के लिए चयनित किया गया है।

अपने कार्यों से दूसरों की जिंदगी को बेहतर बनाने में ही सफलता - राज्यपाल श्री पटेल

इंदौर। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि अपने कार्यों से दूसरों की जिंदगी को बेहतर बनाने में ही कार्य की सफलता है। उन्होंने सफाई मित्रों का दृष्टांत देते हुए कहा कि वह सुबह सवेरे सबसे पहले उठकर हमारे आस-पास का वातावरण स्वच्छ बनाते है ताकि हम सबको दिनभर स्वच्छ और सुखद वातावरण मिले।

राज्यपाल श्री पटेल बुधवार को राजभवन भोपाल के सांदीपनि सभागार में आयोजित दीपावली शुभकामना समारोह को संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने समारोह में भोपाल, पचमढ़ी राजभवन के सभी अधिकारी-कर्मचारियों के साथ राजभवन में स्थित डाक घर, बैंक एवं अन्य संस्थाओं के प्रतिनिधियों को उपहार भेंट किये। कार्यक्रम में राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी, राज्यपाल के अपर सचिव श्री उमाशंकर भार्गव भी मंचासीन थे।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि मानव का जीवन एक बार ही मिलता है। कर्मों का फल इसी जीवन में मिलता है। प्रकृति से अच्छी और बुरी दोनों वृत्तियां मानव को मिलती है। उन्होंने कहा कि जीवन में स्थायी आनंद और सच्चा सुख संतोष मेहनत और योग्यता से ही मिलता है। व्यक्ति के नसीब में जो है वह उसको मिलता ही है। दूसरों की उन्नति से ईष्या के भाव से जीवन के सारे सुख और संतोष का आनंद खत्म हो जाता है इसलिए व्यक्ति को स्वयं ही अपनी गलत प्रवृत्तियों को नियंत्रित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अक्टूबर का महीना उत्सवों का और आत्म शुद्धि का प्रसंग है। पहले नवरात्र उसके बाद विजयादशमी का पर्व हमें अपने अंदर के दुर्गणों का अंत करने का अवसर देता है। दीपावली का पर्व भी नये उत्साह और ऊर्जा के साथ जीवन के नव आरम्भ का प्रसंग है। यह दूसरों की गलतियों और कमियों को भूलकर प्रेम और पारस्परिक सदभाव को बढ़ाने का अवसर है। उन्होंने सभी को दीपावली की बधाई और सुखमय जीवन की शुभकामनाएं दी। ईश्वर से प्रार्थना की है कि हर दिन सबके जीवन में खुशिया लाएं। कार्यक्रम का संचालन नियंत्रक हाउस होल्ड शिल्पी दिवाकर ने किया।

नन्दलालपुरा क्षेत्र में लगभग 24 किन्नरों ने पिया जहरीला पदार्थ- जिला और पुलिस प्रशासन की निगरानी में सभी प्रभावितों का एमवाय अस्पताल में इलाज जारी

इंदौर। इंदौर के पंढरीनाथ थाना क्षेत्र अंतर्गत नन्दलालपुरा क्षेत्र में बुधवार की शाम को लगभग 24 किन्नरों द्वारा कोई जहरीला पदार्थ पीने की घटना हुई है। एडिशनल डीसीपी श्री राजेश दंडोतिया ने बताया कि प्रारंभिक जांच में फिनायल पीने की बात सामने आई है। उन्होंने किस तरह का पदार्थ पिया है, इसकी पुष्टि जांच के बाद स्पष्ट होगी। सभी 24 प्रभावितों का एमवाय अस्पताल में इलाज चल रहा है। संयोगितागंज एसीपी मौके पर मौजूद है। सीएमएचओ को निर्देश दिए गए हैं कि सभी प्रभावितों का समुचित उपचार सुनिश्चित कराया जाए। बताया गया कि मरीजों की स्थिति स्थिर है और निरंतर पुलिस प्रशासन की निगरानी में इलाज

जारी है। जहरीला पदार्थ किस कारण से पीया है इस संबंध में अभी स्थिति स्पष्ट नहीं है। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

पंढरीनाथ थाना क्षेत्र में हुई इस दुखद घटना के बाद जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन अलर्ट है। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा द्वारा पल-पल की जानकारी ली जा रही है। एमवाय अस्पताल में सभी प्रभावितों का उपचार सुनिश्चित किया जा चुका है। मौके पर एसडीएम श्री प्रदीप सोनी और तहसीलदार मौजूद है। सीएमएचओ डॉ. हासानी और अस्पताल के डॉक्टर्स उपचार में संलग्न है।

डीसीपी श्री आनंद कलादगि ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही तुरंत पुलिस प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और प्रभावित कुल 24 किन्नरों को एम्बुलेंस से एमवाय अस्पताल लाया गया।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृगधरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

वर्तमान काल सनातन संस्कृति का स्वर्ण युग है, मन आनंदित है उज्जयिनी की संस्कृति को देखकर

भारत के प्राचीन मंदिरों पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी का शुभारंभ किया गया

उज्जैन। गुरूवार को महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ, स्वराज संस्थान संचालनालय मध्यप्रदेश शासन संस्कृति विभाग में भारत के प्राचीन मंदिरों पर आधारित 50 चित्रों की प्रदर्शनी का शुभारंभ हुआ।

यह प्रदर्शनी 16 अक्टूबर से 16 नवंबर तक प्रतिदिन प्रातः 10 से सायं 6:00 बजे तक विद्वानों, शोधार्थियों एवं जिज्ञासुओं के लिए खुली रहेगी।

इस अवसर पर मुख्य वक्ता प्रो. शिवशंकर मिश्र ने कहा कि सम्राट विक्रमादित्य के नवरत्न सर्व प्रसिद्ध है। उन्ही में से एक है व्याकरण आचार्य वररुचि अष्टादश विद्याओं की चर्चा हमारे यहां प्राचीन ऋषियों द्वारा की गई है। अन्य विषयों का समावेश करने पर ये विद्याएं सैकड़ों की हो जाती है। राजा का उत्कर्ष समकालीन आचार्य द्वारा होता है। ऐसे ही सम्राट विक्रमादित्य का

उत्कर्ष भी समकालीन आचार्यों, कवियों के द्वारा ही विद्यमान है। न्याय प्रिय तथा शास्त्रानुमोदित कार्य करने के कारण ही सम्राट विक्रमादित्य लोकरंजक बने। आज आवश्यकता इस बात की है कि इन सभी नवरत्नों के अवदान को समाज में स्थापित किया जाए। चाणक्य का वाक्य है सुखस्य मूलं धर्मः। धर्मस्य मूलं अर्थः। अर्थस्य मूलं राज्या राज्यस्य मूलं इन्द्रिय जयः। इन्द्रियाजयस्य मूलं विनयः। विनयस्य मूलं वृद्धोपसेवा।।

सुख का मूल है, धर्म। धर्म का मूल है, अर्थ। अर्थ का मूल है, राज्या राज्य का मूल है, इन्द्रियों पर विजय। इन्द्रियजय का मूल है, विनय। विनय का मूल है, वृद्धों की सेवा। धर्माचरण करने पर ही शाश्वत सुख प्राप्त होता है तथा जीवात्मा मनुष्य ही सभी के साथ एक जैसा व्यवहार करता है, भाषा विज्ञान को समझने के लिए महर्षि पाणिनि का व्याकरण अध्ययन करने की आवश्यकता है। सभी विषयों का मूल जानने के लिए हमें संस्कृत पढ़ना आवश्यक है। संस्कृत को जाने बिना भारत को नहीं जाना जा सकता। संस्कृत आत्म स्वरूप के साथ-साथ संस्कृति का बोध कराती है। पाणिनि अष्टाध्यायी में चार हजार सूत्र है। 14 महेश्वर सूत्रों को लेकर ही इन चार हजार सूत्रों बनाए गए और फिर इसी में भाषा विज्ञान का निर्माण हुआ वररुचि का नाम कत्यांयन भी है।

पत्र कौमुदी नामक ग्रंथ की रचना की जो कि पत्र लेखन का एक प्रकार है जिसमें पत्र कि भाषा पदावली पर विस्तार से चर्चा है।

आत्मनिर्भर विकास के लिए अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने की आवश्यकता

उज्जैन। अर्थशास्त्र के वर्तमान नोबेल पुरस्कार ने आर्थिक विकास के लिए स्थानीय नवाचारों को एक महत्वपूर्ण मंत्र बताया है और इसलिए अब से प्रौद्योगिकी को एक अंतर्जात कारक के रूप में उपयोग किया जाना चाहिए।

ये शब्द उदयपुर के प्रसिद्ध अर्थशास्त्री प्रोफेसर गणेश कावड़िया के थे, जो मध्य प्रदेश सरकार, उच्च शिक्षा विभाग के प्रायोजन में शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, उज्जैन के आईक्यूएसी द्वारा आयोजित ÷ग्रासरूट्स टू ग्लोबल नेटवर्क्स = ए ब्लूप्रिंट फॉर सेल्फ-रिलायंट ग्रोथ÷ विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार में विषय विशेषज्ञ के रूप में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के बाद भारत द्वारा अपनाई गई संरक्षणवादी आत्मनिर्भरता की अवधारणा और 90 के दशक की वैश्वीकरण नीति के स्थान पर कोरोना संकट ने स्थानीय से वैश्विक स्तर तक अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए आत्मनिर्भर भारत के विचार को जन्म दिया है। वैश्विक उथल-पुथल व्यापार में अंतर्राष्ट्रीय संपर्क के मॉडल को लेकर दुविधा पैदा कर सकती है, लेकिन सतत विकास के लिए स्थानीय स्तर पर आत्मनिर्भरता निस्संदेह आवश्यक है। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक की द्वितीय विषय विशेषज्ञ प्रो. नीति जैन ने कहा कि आदिवासी और स्थानीय समुदायों के पास उत्पाद, ज्ञान, बुद्धि और कौशल हैं जो मनुष्य, प्रकृति और समाज पर निर्भर करते हैं। डिंडोरी के बैगा समुदाय की हर्बल औषधियाँ, पाटनागर के गोंड कलाकारों की चित्रकारी, मिथिला क्षेत्र की मखाना की खेती और ऐसे अन्य स्थानीय उत्पादों ने उनकी पहुँच को व्यापक रूप से बढ़ाया है। इस तरह के स्थानीय सशक्तिकरण और वैश्विक एकीकरण से सतत प्रगति हो सकती है।

उज्जैन संभाग के उच्च शिक्षा विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ. एच.एल. अनिजवाल ने कहा कि वोकल फॉर लोकल रोजगार की समस्या का समाधान कर सकता है और देश को वैश्विक स्तर पर विकास के उच्चतम स्तर पर ले जा सकता है।

एनेस्थीसिया डे पर 1 हजार बच्चों को सिखाया सीपीआर देना

उज्जैन। एनेस्थीसिया डे के उपलक्ष्य में इंडियन सोसाइटी ऑफ एनेस्थीसियोलॉजी, नर्सिंग होम एसोसिएशन और आईएमए उज्जैन के तत्वाधान में लगभग 1000 बच्चों को सीपीआर की ट्रेनिंग दी गई। जिन्होंने बारी-बारी से आकर बताए गए मार्गदर्शनों का पालन किया और डमी पर सीपीआर की लाइव प्रैक्टिस भी की। सीपीआर वर्कशॉप में मुख्य रूप से डॉ. हर्ष मंगल, डॉ.हर्षवर्धन चौधरी, डॉ. दीपिका अग्रवाल, डॉ. तपन शर्मा, डॉ. अनुषा शर्मा, डॉ. तान्या जैन, डॉक्टर अनुप्रिया तिवारी, डॉ महेंद्र पाटीदार आदि।

कन्या कौशल शिविर में छात्राओं को किया स्वास्थ्य के प्रति जागरूक

उज्जैन। रोटरी क्लब उज्जैन और गायत्री परिवार के संयुक्त तत्वावधान में गायत्री शक्ति पीठ पर कन्या कौशल शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में उज्जैन के विभिन्न स्कूलों की छात्राओं और शिक्षिकाओं ने भाग लिया।

शिविर के दौरान, शिक्षा के साथ स्किल डेवलपमेंट, व्यावहारिक ज्ञान, नारी सशक्तिकरण, आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस और साइबर क्राइम जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में क्लब अध्यक्ष रोट ईश्वर चंद्र दुबे ने अतिथियों का स्वागत किया और कन्या कौशल शिविर के उद्देश्य के बारे में बताया। डॉ शशिकांत शास्त्री ने शिक्षा के साथ स्किल डेवलपमेंट की आवश्यकता पर जोर दिया। डॉ शेखर दिसावल ने आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस के उपयोग और प्रभाव के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उप निरीक्षक प्रतीक यादव ने साइबर क्राइम से बचने के उपायों के बारे में बताया। स्वास्थ्य के क्षेत्र में विशेषज्ञता रखने वाली डॉ इशिता शास्त्री, डॉ निधि जैन और डॉ अनुराधा परमार ने स्वास्थ्य से संबंधित कई महत्वपूर्ण जानकारियाँ साझा की और छात्राओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ शशिकांत शास्त्री द्वारा किया गया। इस मौके पर क्लब अध्यक्ष ईश्वर चंद्र दुबे, रोट शाहिद हाशमी, इंटरेक्ट क्लब एडवाइजर निर्मला सिंह और गायत्री परिवार के सतीश शर्मा सहित अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

मन और तन स्वस्थ रहे इसलिए खेल जरूरी है -डॉ अजय भार्गव

उज्जैन। आंतरिक गुणवत्ता उन्नयन प्रकोष्ठ के अंतर्गत महाविद्यालय में संभाग स्तरीय महिला बास्केटबाल प्रतियोगिता संपन्न हुई।

कार्यक्रम का प्रारंभ सरस्वती पूजन से हुआ। अतिथि स्वागत के पश्चात मुख्य अतिथि उज्जैन संभाग के अतिरिक्त संचालक डॉ. एच. के. अनिजवाल उन्हें अपने उद्बोधन में छात्राओं को प्रेरणा देते हुए कहा कि खेल भावना हमें अनुशासन सिखाती है। हमेशा जीतने वाला ही श्रेष्ठ नहीं होता आप सब यहां तक पहुंचे हैं तो आप सभी में श्रेष्ठता है। अध्यक्षीय उद्बोधन में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय भार्गव ने कहां कि खेल से जुड़े रहने से हम मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ रहते हैं और हमारा आत्मविश्वास बढ़ता है।

शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय से डॉ संगीता कार्लेकर ने छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि खिलाड़ी अनुशासित रहकर खेल भावना से खेलें। जीत उसी की होती है जो लक्ष्य साधने की शक्ति रखते हैं। संभाग स्तरीय महिला बास्केटबाल प्रतियोगिता में उज्जैन, मंदसौर, रतलाम और शाजापुर की टीम अपने स्तर पर विजेता होकर आज संभागीय स्तर पर खेलने के लिए उपस्थित हुई। अंतिम मैच मंदसौर और रतलाम की टीम के मध्य हुआ। दोनों ही टीम का शानदार प्रदर्शन रहा। रतलाम की टीम विजेता रही। विजेता टीम अब राज्य स्तर ग्वालियर में खेलेगी।

कार्यक्रम के समापन पर सभी प्रतिभागी टीम को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। विजेता और उपविजेता टीम को ट्रॉफी एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। महाविद्यालय की क्रीड़ा प्रभारी प्रो. बंसल मैडम ने विजेता टीम को बधाई देते हुए कहा कि खेल के प्रति यही जोश निरंतर बना रहे तो जीत की निरंतरता भी बनी रहेगी। महाविद्यालय के क्रीड़ा अधिकारी घनेंद्र सर ने आभार की अभिव्यक्ति की। संचालन डॉ. भावना नागर एवं डॉ. रूपा भावसार ने किया। संपूर्ण दिवस खेल भावना से ओतप्रोत रहा एवं समस्त महाविद्यालयीन परिवार की उपस्थिति रही।

माधव साईस कॉलेज में दो दिवसीय युवा उत्सव का समापन

उज्जैन। शासकीय माधव विज्ञान महाविद्यालय में दो दिवसीय युवा उत्सव का समापन 16 अक्टूबर को हुआ। युवा उत्सव के अंतर्गत क्विज, चित्रकला, कार्टून, पोस्टर एवं रांगोली प्रतियोगिताएं हुई।

द्वितीय दिवस वाद विवाद प्रतियोगिता, वक्तृता, एकल शास्त्रीय नृत्य एवं समूह प्रतियोगिताएं आयोजित हुई। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. हरिश व्यास ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि युवा उत्सव का यह मंच विद्यार्थियों की प्रतिभा को उत्कर्ष पर पहुंचने का अवसर देता है। उनके व्यक्तित्व को ऊँचाई प्रदान करता है। युवा उत्सव संयोजक डॉ. अजय सक्सेना ने प्रतिभागी विद्यार्थियों से कहा कि उनकी कला को निखारने का यही अवसर है। इस अवसर पर डॉ. शुचिता चांदोरकर, डॉ. मणिकांत, डॉ. शशि जोशी, डॉ. स्वाति पाराशर, डॉ. पुष्पा जाटवा, डॉ. प्रमिला बघेल, डॉ. प्रियंका तिवारी, अनामिका शर्मा आदि उपस्थित थे एवं बड़ी सख्या में उपस्थित विद्यार्थियों ने उत्साहवर्धन किया।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com